दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K

RNI No.61546/95

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-32 अंक-99 | नर्मदापुरम (होशंगाबाद) रविवार 24 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

विविध-समाचार

अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण, परमाणु बम ले जाने में सक्षम

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारत ने स्वदेशी अग्नि-1 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अग्नि-1 शॉर्ट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज (ITR) से किया गया। परमाणु व पारंपरिक दोनों वॉरहेड ले जाने में सक्षम यह मिसाइल 700-1200 किमी तक हमला कर सकता है। इसकी जद में पूरा पाकिस्तान आता है। यह परीक्षण पाकिस्तान को करारा जवाब है, क्योंकि पिछले कुछ दिनों में फतह मिसाइलों का टेस्ट किया है।भारतीय रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने ओडिशा के तट पर स्थित डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से 'अग्नि-1' (Agni-v) बैलिस्टिक मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया। यह परीक्षण शाम ठीक 6:30 बजे एकीकृत परीक्षण रेंज (ITR) से किया गया।

हमजा के जनाजे में पहुंचा खूंखार सलाउद्दीन, AK-47 और अत्याधुनिक हथियारों से हिफाजत कर रहे थे आतंकी

नई दिल्ली,(आरएनएस)। पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड और वांटेड आतंकी अर्जुनमंद गुलजार उर्फ हमजा बुरहान की पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अज्ञात बंदूकधारियों ने उसकी हत्या कर दी थी. आतंकी हमजा बुरहान को इस्लामाबाद में दफनाया गया. उसके जनाजे में भारत का मोस्ट वॉन्टेड और आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन का चीफ सैयद सलाउद्दीन खुद मौजूद था. इसके अलावा, प्रमुख आतंकी संगठन अल-बदर का टॉप कमांडर और चीफ बख्त जमीन खान भी हमजा को अंतिम विदाई देने पहुंचा था. इस्लामाबाद में हुए जनाजे के दौरान आतंकियों के पास AK-47 और आधुनिक हथियार दिखाई दिए. हमजा को हाल ही में मुजफ्फराबाद में अज्ञात हमलावरों ने मार गिराया था.हिजबुल मुजाहिद्दीन चीफ सैयद सलाउद्दीन और अल-बद्र प्रमुख बख्त जमीन खान समेत कई बड़े आतंकवादी हमजा बुरहान के नमाज ए जनाजा में पहुंचे. आतंकी हमजा बुरहान को इस्लामाबाद में दफनाया गया। उसके नमाज-ए-जनाजा के दौरान भारी सुरक्षा देखने को मिली. जनाजे में मौजूद आतंकियों के पास AK-47 और कई अत्याधुनिक हथियार दिखाई दिए. अल-बदर चीफ बख्त जमीन खान की सुरक्षा में तैनात आतंकी पूरी तरह हथियारों से लैस थे. इससे साफ दिखा कि आतंकी संगठनों में अज्ञात हमलावरों का खौफ बना हुआ है।

मजदूरों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटी; दो की मौत

विदिशा ,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के कुरवाई थाना क्षेत्र से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां आज सुबह ठीक 6:00 बजे बीना रोड पर लायरा और मलियाखेड़ा ग्राम के बीच मूंग की फसल काटने जा रहे प्रवासी मजदूरों से भरी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई और इस भीषण हादसे में एक स्थानीय किसान और एक बुजुर्ग मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई जबकि कई मासूम बच्चों समेत 20 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।घटना के संबंध में ताजा जानकारी देते हुए कुरवाई थाना प्रभारी आर. के. मिश्रा ने बताया है कि पुलिस टीम ने तुरंत घटना स्थल पर पहुँचकर मौके की स्थिति का बारीकी से मुआयना किया और दुर्घटना के संबंध में आवश्यक साक्ष्य जुटाते हुए सभी वैधानिक व कानूनी कार्रवाई पूरी कर ली है। ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार सभी लोग सुबह-सुबह खेतों में मूंग की फसल की कटाई के लिए निकले थे और काम के सिलसिले में मजदूरों के साथ उनके छोटे-छोटे बच्चे भी वाहन में सवार थे ।

तभी लायरा और मलियाखेड़ा के बीच यह काल बनकर आई दुर्घटना घट गई ।

आरोपी पति समर्थ सिंह सात दिन के पुलिस रिमांड पर

भोपाल में दिल्ली एम्स की टीम रविवार को दोबारा करेगी ट्विशा शर्मा के शव का पीएम

भोपाल(ए.)। रिटायर्ट जज गिरिबाला सिंह की बहू ट्विशा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला नये मोड़ पर पहुचं गया है। अब तक पुलिस को गुमराह करने वाले ट्विशा शर्मा के फरार आरोपी पति समर्थ सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर अदालत में पेश करते हुए 7 दिन की पुलिस रिमांड पर लेकर एसआईटी को सौंप दिया है। पुलिस अब उससे घटना सहित फरारी को लेकर पूछताछ करेगी। पूछताछ के आधार पर पुलिस उन लोगों पर भी शिंकजा कस सकती है, जिन्होंने फरारी के दौरान समर्थ सिंह की मदद की होगी। गौरतलब है की समर्थ सिंह को जबलपुर कोर्ट से भोपाल पुलिस ने हिरासत में लिया था। इसके बाद देर रात पुलिस उसे जबलपुर से लेकर भोपाल पहुंची। शनिवार दोपहर दो बजे उसका मेडिकल कराने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने पूछताछ के लिये 7 दिन की पुलिस रिमांड मांगी थी, जिसे जस्टिस अनुदिता गुप्ता ने स्वीकार करते हुए उसे पुलिस को सौंप दिया है।

परिजनों को इंसाफ मिलने की उम्मीद

समर्थ सिंह को रिमांड पर लिए जाने को बाद ट्विशा के परिवार वालो ने कहा की रिमांड पर लिए जाने के बाद एक उम्मीद जागी है। पूरा परिवार मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव का आभारी हैं, जिन्होंने सीबीआई जांच के लिए सिफारिश दी। अंतिम संस्कार को लेकर फैसला उनके पिताजी को लेना है।

- दिल्ली एम्स की चार सदस्य विशेष टीम करेगी पीएम

दूसरी ओर एम्स भोपाल में पिछले 11 दिनों से रखे ट्विशा शर्मा के शव का दूसरी बार पीएम किये जाने को लेकर भी कवायद तेज हो गई हैं। सूत्रों की मानी जाये तो दिल्ली एम्स की एक चार सदस्य विशेष मेडिकल टीम शनिवार रात तक भोपाल पहुंचेगी और रविवार को शव का दोबारा पीएम किया जाएगा उसके बाद उनके परीजन अंतिम संस्कार को लेकर निर्णय लेंगे। उल्लेखनीय है की 12 मई को ट्वीशा शर्मा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हुई थी, उसके बाद कटारा हिल्स पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया था। साथ ही शव का पीएम एम्स हॉस्पिटल में करवाया गया था। जिसको लेकर मृतका के परिजन शुरू से ही आपत्ति दर्ज करवा रहे हैं।

नीट पेपर लीक मामला

एजेंसियों को शक, प्रोफेसर कुलकर्णी ने रट लिए थे सवाल, संदेह में लातूर का अस्पताल

नईदिल्ली (आरएनएस)। नीट पेपर लीक की जांच कर रही केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को शक है कि गिरफ्तार किए गए प्रोफेसर पीवी कुलकर्णी ने रसायन विज्ञान से जुड़े सवाल रट लिए थे। दरअसल, नीट आयोजित करवाने वाली राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी यानी एनटीए ने प्रोफेसर कुलकर्णी को पेपर के मराठी अनुवाद का काम सौंपा था। शक है कि इसी दौरान कुलकर्णी ने सवालों का रट्टा मार लिया और बाद में छात्रों को बताए।

रिपोर्ट के अनुसार, जांचकर्ताओं को पेपर लीक से जुड़े कोई डिजिटल सबूत नहीं मिले हैं। इससे ये शक पैदा हो रहा है कि कुलकर्णी ने अनुवाद प्रक्रिया के दौरान पेपर के सवालों को रट लिया था। बाद में इन सवालों को विशेष कक्षाओं में छात्रों को भी रटाया गया। छात्रों को सवालों के साथ विकल्प और सही उत्तर भी बताए गए। असली पेपर में रसायन विज्ञान के 45 में से 43 सवाल वहीं थे, जो गेस पेपर में थे। रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंसियों का मानना है कि कुलकर्णी ने परीक्षा से करीब 12 दिन पहले महाराष्ट्र के लातूर के एक अस्पताल में खास कक्षाओं के दौरान ये सवाल छात्रों को दिए थे। अस्पताल के एक डॉक्टर ने सीबीआई को बताया कि 21 से 23 अप्रैल के बीच अस्पताल में 2 विशेष कक्षाएं आयोजित की गई थीं। इन सत्रों को आयोजित करवाने और कुलकर्णी और परिजनों में डील करवाने को लेकर एक डॉक्टर की भूमिका भी संदिग्ध है।सीबीआई ने लातूर से रेनुकाई करियर सेंटर नामक कोचिंग के संचालक शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने बताया कि उसे पेपर 23 अप्रैल को मिल गया था। जांचकर्ताओं को शक है कि 21 से 23 अप्रैल के बीच हुई विशेष कक्षा में मोटेगांवकर के बेटे ने भी हिस्सा लिया था।

लेह में सेना का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, 3 जवान बचे; मलबे के साथ मेजर जनरल की सेल्फी वायरल

श्रीनगर (आरएनएस)। लद्दाख के लेह के पास एक पहाड़ी इलाके में सेना का चीता हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। घटना में भारतीय सेना के 3 अधिकारी बाल-बाल बच गए। ये घटना 20 मई की है, जिसकी पुष्टि आज की गई है। हेलीकॉप्टर में एक लेफ्टिनेंट कर्नल, एक मेजर और एक मेजर जनरल सवार थे। घटना के बाद मेजर जनरल ने हेलीकॉप्टर के मलबे और अपने 2 साथियों के साथ सेल्फी ली, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।घटना के वक्त लेफ्टिनेंट कर्नल और मेजर हेलीकॉप्टर को उड़ा रहे थे, जबकि तीसरी इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल सचिन मेहता बतौर यात्री उसमें सवार थे। अधिकारियों ने बताया कि तीनों को मामूली चोटें आई हैं और उन्होंने इस घटना को किसी चमत्कार से कम नहीं बताया। घटना के बाद तीनों जवान खुद ही मलबे से निकलकर बाहर आ गए।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना ने 3 आतंकियों को घेरा, गोलीबारी के बाद अभियान शुरू

जम्मू, (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। बताया जा रहा है कि जिले के मुगलान इलाके में 3 आतंकवादी देखे गए हैं। इसके बाद सेना ने अभियान शुरू किया। शुरुआत में आतंकियों की ओर से गोलीबारी भी की गई, जिसके बाद जवानों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। सुरक्षाबलों ने इस कार्रवाई को ऑपरेशन शेरवाली नाम दिया है। फिलहाल आतंकियों की तलाश की जा रही है।

अमरनाथ यात्राः बाबा बर्फानी की पहली तस्वीरें सामने आईं, 6-7 फीट का शिवलिंग

तस्वीर ने लाखों श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया

श्रीनगर (ए.)। पवित्र अमरनाथ यात्रा की तैयारियों के बीच, बाबा बर्फानी के हिमलिंग की पहली तस्वीरें सामने आई हैं, सामने आई तस्वीर ने लाखों श्रद्धालुओं में उत्साह भर दिया है। इन तस्वीरों में बाबा बर्फानी का प्राकृतिक शिवलिंग 6 से 7 फीट का आकार ले चुका है। यात्रा शुरू होने से पहले ही सुरक्षा में तैनात जवानों ने सबसे पहले पवित्र हिमलिंग के दर्शन किए। पवित्र गुफा में प्राकृतिक रूप से बनने वाले हिमलिंग के दर्शन के लिए हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु दुर्गम पहाड़ी रास्तों से होकर पहुंचते हैं। यह न केवल एक धार्मिक यात्रा है, बल्कि प्रकृति के अद्भुत दृश्यों और आत्मिक शांति की भी खोज है।

इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरु होकर 28 अगस्त को रक्षा बंधन के पावन मौके पर संपन्न होगी। यह यात्रा कुल 57 दिनों तक चलेगी। अब तक 3.6 लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र यात्रा के लिए अपना पंजीकरण करा चुके हैं। हालांकि, यात्रा मार्ग पर अभी भी कई स्थानों पर 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी हुई है, लेकिन सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात काम कर रहा है। बीआरओ दोनों पारंपरिक रास्तों को बहाल करने में युद्धस्तर पर जुटा हुआ है।

10 दिन में तीसरी बार बढ़े तेल के दाम, पेट्रोल 87 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर हुआ महंगा

नई दिल्ली, (आरएनएस)। वैश्विक संकट के बीच देश में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। सरकारी तेल कंपनियों ने इस बार पेट्रोल की कीमतें 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमतें 91 पैसे प्रति लीटर बढ़ाई हैं। पिछले 10 दिनों में कुल मिलाकर, कीमतों में लगभग 5 रुपए प्रति लीटर का इजाफा हुआ है। शनिवार को हुई बढ़ोतरी के बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 99.51 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल का भाव 92.49 रुपए प्रति लीटर है।दिल्ली के अलावा, नई बढ़ोतरी के बाद मुंबई में 108.49 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में 110.64 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई में 105.31 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल का भाव है। वहीं, मुंबई में डीजल का रेट 95.02 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में 96.98 रुपए प्रति लीटर और कोलकाता में 97.02 रुपए प्रति लीटर है।वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में हो रही बढ़ोतरी के बीच पिछले 10 दिन में ईंधन की दरों में यह तीसरी बढ़ोतरी है। 15 मई को ही सरकारी तेल कंपनियों ने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण बढ़ी हुई ऊर्जा कीमतों का बोझ धीरे-धीरे ग्राहकों पर डालना शुरू किया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगरौली के उमंग भवन में बालिका सशक्तिकरण अभियान अन्तर्गत बालिकाओं से संवाद किया।

वक्फ बोर्ड की जमीन बचाने वाले सीनियर वकील को एसयूवी से उड़ाया, हवा में 10 मीटर उछलकर गिरे, मौत

हैदराबाद, (आरएनएस)। हैदराबाद के मासाब टैंक इलाके में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है. हाई कोर्ट के सीनियर वकील ख्वाजा मोइजुद्दीन की उनके घर के सामने एक सोची-समझी साजिश के तहत कार से कुचलकर हत्या कर दी गई. उनके बेटे फरहान ने आरोप लगाया कि हत्या की वजह वक्फ बोर्ड की संपत्तियों की के लिए उनके पिता द्वारा दशकों से लड़ी जा रही कानूनी लड़ाई है. फरहान का आरोप है कि उनके पिता पर यह छठा हमला था।

सुबह करीब 05-45 बजे ख्वाजा मोइजुद्दीन निजाम क्लब में स्विमिंग के लिए अपने घर से निकले थे. जैसे ही वह विजया टावर्स इलाके में खड़ी अपनी गाड़ी के पास पहुंचे, वहां पहले से मौजूद एक अज्ञात एसयूवी अचानक तेज रफ्तार में उनकी तरफ बढ़ी. उस गाड़ी ने मोइजुद्दीन को इतनी जोरदार टक्कर मारी कि वह हवा में करीब 10 मीटर दूर जाकर सड़क पर गिरे.टक्कर मारने के बाद कार बिना रुके तुरंत मौके से तेजी से फरार हो गई. चूंकि, वकील रोज रोज स्वीमिंग के लिए जाते थे, इसलिए पुलिस को अंदेशा है कि हमलावरों ने पहले से ही उन पर नजर रखी हुई थी।

चीन की कोयला खदान में भीषण विस्फोट, मृतकों की संख्या 85 से ज्यादा पहुंची

राष्ट्रपति जिनपिंग बोले- दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा

बीजिंग,(ए.)। चीन के शांक्सी प्रांत स्थित एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 85 से अधिक हो गई है। इसे चीन में पिछले एक दशक का सबसे बड़ा कोयला खदान हादसा माना जा रहा है। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बड़े स्तर पर राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है। घटना पर राष्ट्रपति जिनपिंग ने शोक जाहिर करते हुए कहा, दुर्घटना के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

यह दुर्घटना 22 मई को शांक्सी तोंगझू ग्रुप द्वारा संचालित लिउशेन्यू कोयला खदान में हुई। शुक्रवार शाम स्थानीय समयानुसार 7:29 बजे हुए इस विस्फोट के समय खदान के अंदर 247 कर्मचारी काम कर रहे थे। चीन के सरकारी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जहां हादसा हुआ वह शांक्सी प्रांत के किनयुआन काउंटी में स्थित है, जो राजधानी बीजिंग से करीब 520 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। विस्फोट से पहले खदान में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का अलर्ट जारी किया गया था। कुछ ही देर बाद जोरदार धमाका हुआ, जिसने खदान के भीतर काम कर रहे मजदूरों को चपेट में ले लिया। घटना के समय खदान के अंदर कुल 247 मजदूर मौजूद थे। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कितने लोग अब भी अंदर फंसे हुए हैं। बचाव दल लगातार राहत कार्य में जुटे हुए हैं और लापता मजदूरों की तलाश जारी है।

हादसे के बाद शुरुआती रिपोर्ट में केवल 8 लोगों की मौत की पुष्टि की गई थी और बताया गया था कि 200 से अधिक मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। हालांकि बाद में मृतकों का आंकड़ा तेजी से बढ़कर 82 और फिर ज्यादा बताई गई है। आधिकारिक तौर पर सरकारी मीडिया ने भी यह स्पष्ट नहीं किया है, कि मौतों का आंकड़ा अचानक इतनी तेजी से कैसे बढ़ा।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए बचाव एजेंसियों को लापता लोगों को खोजने के लिए हरसंभव प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना के जिम्मेदार लोगों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। प्राथमिक जांच में गैस रिसाव और सुरक्षा मानकों में लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। शांक्सी प्रांत चीन का सबसे बड़ा कोयला उत्पादन क्षेत्र माना जाता है और यहां पहले भी कई बड़े खदान हादसे हो चुके हैं। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने भी बचाव कार्यों और दुर्घटना जांच को लेकर निर्देश जारी किए हैं।

K ✌ K

राजधानी समाचार

समर्थन मूल्य पर देश में सबसे अधिक 13.10 लाख किसानों से हुआ गेहूं का उपार्जन

अब तक 100 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं का उपार्जन हुआ, अभी भी जारी

कोविड अवधि को छोड़कर विगत 10 वर्षों में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर गेहूं का सर्वाधिक उपार्जन

भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अब तक 13 लाख 10 हजार किसानों से गेहूं का उपार्जन कर देश में नंबर-1 स्थान पर है। इस तरह से मध्यप्रदेश समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के मामले में सर्वाधिक किसानों को लाभांवित करने वाला राज्य है। यही नहीं अब तक लगभग 100 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन कर मध्यप्रदेश पंजाब के बाद दूसरे स्थान पर है। गेहूं का उपार्जन अभी भी जारी है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि प्रदेश सरकार किसानों के हित में सतत कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कोविड-19 की अवधि को छोड़कर विगत 10 वर्षों में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर गेहूं का सर्वाधिक उपार्जन किया गया है।

मुख्यमंत्री कर रहे सतत मॉनिटरिंग

मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन लक्ष्य को केन्द्र सरकार द्वारा 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा प्रदेश में हो रहे गेहूँ उपार्जन की सतत मॉनीटरिंग की जा रही है। उन्होंने स्वयं खरीदी

केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर तौल व्यवस्था, बारदाने की उपलब्धता और खरीदी केन्द्रों पर किसानों के लिये उपलब्ध जरूरी सुविधाओं का आकस्मिक निरीक्षण भी किया। साथ ही किसानों से संवाद कर उपार्जित गेहूँ के भुगतान आदि के बारे में जानकारी ली। उन्होंने किसानों के हित में जिन किसानों ने स्लाट बुक करा लिये हैं, उनके गेहूं उपार्जन की अवधि 23 मई से बढ़ाकर 28 मई तक कर दी है।

किसानों को 20,680 करोड़ से अधिक का भुगतान

किसानों को अब तक उपार्जित गेहूं का 20,680.83 करोड़ रूपये का भुगतान भी किया जा चुका है। प्रत्येक उपार्जन केन्द्र पर तौल काटों की संख्या 4 से बढ़ाकर 6 की गई तथा तौल काटों में वृद्धि का अधिकार जिलों को दिया गया। किसानों की सुविधा के लिये तौल पर्ची बनाने का समय शाम 6 बजे से बढ़ाकर रात 10 बजे तक किया गया। देयक जारी करने का समय भी रात 12 बजे तक कर दिया गया है। गेहूं का उपार्जन सप्ताह में 6 दिन तक किया जा रहा है। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा के लिये पीने का पानी, बैठने के छायांदार स्थान और जन-सुविधाओं की व्यवस्थाएं की गई हैं।

किसानों से 2585 रूपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा 40 रूपये प्रति क्विंटल बोनस सहित 2625 रूपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं का उपार्जन किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूं के भंडारण की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व. श्रीमती सरोज देवी माहेश्वरी को दी श्रद्धांजलि

भोपाल (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को सतना पहुंचकर मणिकांत माहेश्वरी की माताजी स्व. श्रीमती सरोज देवी माहेश्वरी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिटी कोतवाली के पीछे स्थित माहेश्वरी निवास में स्व. श्रीमती माहेश्वरी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शोक संतप्त परिजन से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया। इस दौरान नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, सांसद सतना गणेश सिंह, खजुराहो सांसद बीडी शर्मा, महापौर योगेश ताम्रकार, समाजसेवी श्रीकृष्ण माहेश्वरी, पूर्व महापौर ममता पाण्डेय, पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्र, समाजसेवी डॉ. स्वप्ना वर्मा, सहित जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल ने किया संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर का निरीक्षण

उत्पादन प्रदर्शन, कोयला गुणवत्ता प्रबंधन की सराहना की

भोपाल (निप्र)। भारत सरकार के विद्युत सचिव पंकज अग्रवाल ने संजय गांधी ताप विद्युत गृह बिरसिंगपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने विद्युत गृह की विद्युत उत्पादन क्षमता, संचालन दक्षता व कोयला लोडिंग, सैंपलिंग एवं परीक्षण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया। उन्होंने उत्पादन उपलब्धियों एवं परिचालन प्रणाली की सराहना करते हुए इसे विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का उदाहरण बताया। पंकज अग्रवाल ने मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी की समीक्षा बैठक कर संयंत्र में कोयले की गुणवत्ता, आपूर्ति प्रक्रिया तथा परीक्षण तंत्र को विस्तार से समझा एवं अभियंताओं से इस संबंध में व्यावहारिक अनुभव और चुनौतियों की जानकारी प्राप्त की। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक श्री सिंह ने विद्युत सचिव को कोयले की लोडिंग, अनलोडिंग, सैंपलिंग एवं परीक्षण की संपूर्ण प्रक्रिया का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया।

कॉकरोच जनता पार्टी को सायबर फरेबियो ने बनाया अपना नया हथियार

- मेंबर बनाने के नाम पर एपीके फाइल और लिंक भेजकर की जा रही है ठगी

भोपाल(ए.)। देश में इन दिनो कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को लेकर जहॉ आमजन और राजनैतिक हलको में खासा बवाल मचा नजर आ रहा है। वहीं सायबर ठगोरो ने भी इसे लोगो को ठगने का नया हथियार बना लिया है। जारी घमासान के बीच ही साइबर जालसाज कॉकरोच जनता पार्टी का सदस्य बनाने के नाम पर एपीके फाइल और लिंक भेजकर ठगी कर रहे है। इस तरह की ठगी की शिकायतें सामने आने पर ऐसे फ्रॉड से बचने के लिये साइबर क्राइम, पुलिस कमिश्नरेट भोपाल द्वारा एडवायजरी जारी की गई है।

- इस तरह हासिल करते है, बैंक डिटेल, यूपीआई

जारी एडवाइजरी में बताया गया है की कॉकरोच जनता पार्टी एक वायरल व्यंग्यात्मक ऑनलाइन राजनीतिक मूवमेंट है, जो मई 2026 में सोशल मीडिया पर तेजी से ट्रेंड हुआ है। ऑनलाइन साइबर ठगों द्वारा कॉकरोच जनता पार्टी के मेम्बर बनाने के नाम पर एपीके फाइल और लिंक भेजकर ठगी की जा रही है। ठग एसएमएस और व्हॉट्सएप संदेशों के माध्यम से फर्जी लिंक या नकली एपीके फाइल भेजकर आम नागरिकों को धोखा देने का प्रयास कर रहे हैं। इन लिंक या ऐप पर क्लिक करने से व्यक्तिगत जानकारी, बैंक डिटेल और यूपीआई से जुड़ी संवेदनशील जानकारी अपराधियों के हाथ लग सकती है।

जल गंगा संवर्धन के तहत गंगा दशमी पर्व पर 25 मई को होंगे पूरे प्रदेश में कार्यक्रम

भोपाल(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशमीं पर के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में 25 मई को कार्यक्रम आयोजित होंगे। राज्य शासन ने समस्त जिलों में गंगा दशमी पर्व पर आयोजित गतिविधियों एवं कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले मुख्य अतिथियों की सूची जारी की है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल रीवा, मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह रतलाम, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय धार, मंत्री प्रहलाद पटेल नरसिंहपुर, मंत्री राकेश सिंह जबलपुर, मंत्री करण सिंह वर्मा सिवनी, मंत्री उदय प्रताप सिंह नर्मदापुरम, मंत्री तुलसीराम सिलावट देवास, मंत्री एदल सिंह कंषाना मुरैना, मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया झाबुआ, मंत्री गोविंद सिंह राजपूत सागर, मंत्री विश्वास कैलाश सारंग विदिशा, मंत्री नारायण सिंह कुशवाह निवाड़ी, मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर शिवपुरी, मंत्री राकेश शुक्ला भिंड, मंत्री चेतन्य काश्यप भोपाल और मंत्री इंदर सिंह परमार आगर-मालवा में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

केन्द्रीय ऊर्जा सचिव श्री अग्रवाल ने की आरडीएसएस कार्यों की समीक्षा

AI आधारित स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली एवं डिजिटल विद्युत प्रबंधन मॉडल की सराहना

भोपाल (ए.)। भारत सरकार के ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अंतर्गत संचालित आरडीएसएस कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में स्मार्ट मीटरिंग, फीडर सेपरेशन, पीएम कुसुम योजना, वन क्षेत्र विद्युत अधोसंरचना तथा डिजिटल विद्युत प्रबंधन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।ऊर्जा सचिव श्री अग्रवाल ने निर्देश दिए कि कंपनी क्षेत्र में शेष अविद्युतीकृत घरों का सर्वे शीघ्र पूर्ण कर उनका डेटा तैयार किया जाए तथा डीपीआर को अंतिम रूप देकर प्रस्ताव तैयार किए जाएं, जिससे पात्र घरों तक विद्युत सुविधा पहुंचाई जा सके। श्री अग्रवाल ने आरडीएसएस योजना अंतर्गत फीडर सेपरेशन में शामिल 874 फीडरों को पीएम कुसुम योजना से जोड़कर लाभान्वित करने पर विशेष बल दिया। साथ ही वन्य जीव अभयारण्य क्षेत्रों से गुजरने वाली एलटी लाइनों के केबलीकरण के निर्देश देते हुए कहा कि इससे वन्य जीवों के साथ होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आएगी तथा विद्युत आपूर्ति अधिक सुरक्षित एवं विश्वसनीय बनेगी। बैठक में आरडीएसएस योजना अंतर्गत पूर्व क्षेत्र कंपनी के 41 ऐसे प्रकरणों की भी समीक्षा की गई, जिनमें वन विभाग की स्वीकृति लंबित है। ऊर्जा सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रकरणों में वन मंत्रालय स्तर पर सतत फॉलोअप किया जाए, ताकि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जा सके।

समीक्षा के दौरान स्मार्ट मीटरिंग प्रणाली में Artificial Intelligence (AI) एवं Machine Learning आधारित विश्लेषण प्रणाली की विशेष प्रस्तुति दी गई। अधिकारियों ने बताया कि AI आधारित तकनीकों के माध्यम से विद्युत चोरी की संभावनाओं की पहचान अधिक प्रभावी ढंग से की जा रही है। उपभोक्ताओं के खपत पैटर्न, स्मार्ट मीटर टैंपर इवेंट्स, डीटीआर ऊर्जा संतुलन, GIS आधारित उपभोक्ता मैपिंग तथा ऐतिहासिक बिलिंग डेटा का विश्लेषण कर संदिग्ध उपभोक्ताओं की सूची स्वत: तैयार की जा रही है। बैठक में कंपनी के स्मार्ट बिजली ऐप का भी अवलोकन किया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि वर्तमान में लगभग 13 हजार स्मार्ट मीटर उपभोक्ता प्रतिदिन स्वयं अपना विद्युत उपभोग ऐप के माध्यम से देख रहे हैं, जिससे उपभोक्ताओं में ऊर्जा संरक्षण एवं डिजिटल सहभागिता के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। अधिकारियों ने बताया कि मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 से लागू टैरिफ ऑर्डर में TOD योजना लागू की जा चुकी है, जिसका लाभ स्मार्ट मीटर वाले घरेलू उपभोक्ताओं को प्राप्त हो रहा है। ऊर्जा सचिव श्री अग्रवाल ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ऊर्जा संरक्षण, लोड प्रबंधन एवं डिजिटल उपभोक्ता सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य स्तरीय जैव-विविधता पुरस्कारों में दक्षिण पन्ना का परचम, जैव-विविधता स्वामित्व रखने वाला सर्वश्रेष्ठ विभाग सम्मान से हुआ सम्मानित

गिद्ध संरक्षण, जैव-विविधता अभिलेखीकरण, जनभागीदारी आधारित नवाचार सर्पदंश जागरुकता अभियान ने दिलाई पहचान

भोपाल (ए.)। अंतर्राष्ट्रीय जैव-विविधता दिवस 22 मई 2026 के अवसर पर भोपाल स्थित भारतीय वन प्रबंधन संस्थान (IIFM) में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मध्यप्रदेश राज्य जैव-विविधता बोर्ड द्वारा घोषित राज्य स्तरीय वार्षिक जैव-विविधता पुरस्कार 2024 एवं 2025 में दक्षिण पन्ना वनमण्डल को जैव-विविधता स्वामित्व रखने वाला सर्वश्रेष्ठ विभाग श्रेणी में सम्मानित किया गया। दक्षिण पन्ना वनमण्डल द्वारा जैव-विविधता संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में अनेक अभिनव एवं जनभागीदारी आधारित कार्य किए गए। वनमण्डल द्वारा पक्षियों, तितलियों, औषधीय पौधों, विरासत वृक्षों, प्राकृतिक झिरियों तथा स्थानीय जैविक धरोहरों का व्यापक अभिलेखीकरण एवं दस्तावेजीकरण किया गया। साथ ही स्थानीय स्तर पर जैव-विविधता संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के प्रयास किए गए। गिद्ध संरक्षण के क्षेत्र में दक्षिण पन्ना द्वारा वल्चर फ्रेंडली गौशाला, सतत मॉनिटरिंग,

प्रतिबंधित दवाइयों की रोकथाम एवं ग्रामीण सहयोग आधारित संरक्षण मॉडल विकसित किया गया, जिसके परिणामस्वरूप दक्षिण पन्ना क्षेत्र में गिद्धों की संख्या में ऐतिहासिक वृद्धि दर्ज की गई। वर्ष 2021 में जहां गिद्धों की संख्या 614 थी, वहीं वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर 1127 तक पहुँच गई। मानव-सर्प संघर्ष को कम करने एवं सर्पदंश से बचाव के लिये दक्षिण पन्ना वनमण्डल द्वारा विशेष सांप-सीढ़ी आधारित शैक्षणिक खेल विकसित किया गया।

इस नवाचार के माध्यम से हजारों बच्चों एवं ग्रामीणों को सर्पदंश से बचाव, प्राथमिक उपचार एवं वैज्ञानिक जानकारी सरल तरीके से उपलब्ध कराई गई। इस पहल से जनजागरूकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई तथा मानव-सर्प संघर्ष संबंधी भ्रांतियों को कम करने में सहायता मिली।

व्यक्तिगत (शासकीय) श्रेणी में दक्षिण पन्ना वनमण्डल के वनरक्षक जगदीश प्रसाद अहिरवार को प्रथम पुरस्कार एवं वनरक्षक वीरेंद्र पटेल को द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जगदीश प्रसाद अहिरवार द्वारा दक्षिण पन्ना क्षेत्र में 129 महत्वपूर्ण औषधीय पौधों का अभिलेखीकरण एवं जनजागरूकता कार्य किया गया। वहीं वीरेंद्र पटेल द्वारा कल्दा क्षेत्र में 97 पक्षी प्रजातियों का दस्तावेजीकरण कर पक्षी एवं जैवविविधता संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का उल्लेखनीय कार्य किया गया।

री-नीट यूजी 2026 के नाम पर हो रहे साइबर फ्रॉड से सावधान

- पेपर लीक, सेलेक्शन गारंटी, एडवांस पेपर और वीआईपी रिजल्ट जैसे झांसो में न आये

भोपाल(ए.)। री-नीट यूजी 2026 के नाम पर सायबर ठगो द्वारा छात्रो के साथ फ्रॉड किये जाने की शिकायतो को लेकर साइबर क्राइम, पुलिस कमिश्नरेट भोपाल द्वारा लोगो को सावधान करने और ठगी से बचाने के लिये एडवाइजरी जारी की गई है। जारी एडवायजरी में कहा गया है, की नीट यूजी 2026परीक्षा रद्द होने और दोबारा परीक्षा (री-नीट) की चर्चाओं के बीच कई साइबर ठग छात्रों और अभिभावकों को निशाना बना रहे हैं। सोशल मीडिया, टेलीग्राम, व्हॉट्सएप और फर्जी वेबसाइट्स के जरिए पेपर लीक, सेलेक्शन गारंटी, एडवांस प्रश्नपत्र और वीआईपी रिजल्ट जैसे झूठे दावे किए जा रहे हैं। एनटीए ने पहले भी ऐसे फर्जी दावों को गलत बताया है, और छात्रों को सतर्क रहने की सलाह दी है। एडवायजरी में कहा गया है कि ठग टेलीग्राम, व्हॉट्सएप पर लीक पेपर बेचने का दावा करने के साथ ही, फर्जी पीडीएफ और गेस पेपर भेजते है। इसके साथ ही री-नीट फाइनल डेट के नाम पर फर्जी लिंक भेजकर ओटीपी और बैंक डिटेल मांगी जाती है। ठग फर्जी एनटीए वेबसाइट बनाकर रजिस्ट्रेशन फीस लेने के नाम पर या सोशल मीडिया ऐड के जरिए सौ प्रतिशत सिलेक्शन का झांसा देकर भी लोगो को अपने जाल में फंसाकर मोटी रकम ठग रहे है।

"राइजिंग मध्यप्रदेश" के विजन के साथ निवेश, नवाचार एवं रोजगार के नए अवसर हो रहे सृजित : मंत्री श्री परमार

भोपाल (ए.)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्यप्रदेश आज उद्योग, कृषि, तकनीक एवं ऊर्जा के क्षेत्रों में निरंतर प्रगति कर रहा है और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राइजिंग मध्यप्रदेश के विजन के साथ प्रदेश में निवेश, नवाचार एवं रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। मंत्री श्री परमार शनिवार को गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन एवं भारतीय मीडिया एंड इवेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के तत्वावधान में भोपाल स्थित एम.एस.एम.ई. एग्जीबिशन सेंटर, गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में आयोजित तीन दिवसीय "तृतीय संस्करण इंडिया इंडस्ट्रियल मशीनरी एंड टूल्स एक्सपो-2026"तथा भारत सोलर एंड ईवी एक्सपो-2026 के द्वितीय दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मंत्री श्री परमार ने प्रदर्शनी में लगी विभिन्न औद्योगिक मशीनरी, आधुनिक उपकरणों, सोलर तकनीक एवं ईवी सेक्टर से संबंधित स्टॉलों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने प्रदर्शकों एवं उद्योग प्रतिनिधियों से तकनीकी नवाचार, उत्पादन क्षमता, आधुनिक मशीनरी तथा औद्योगिक विकास की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की। मंत्री श्री परमार ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन प्रदेश में औद्योगिक विकास, तकनीकी उन्नयन, नवाचार एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प एवं मुख्यमंत्री डॉ. यादव के औद्योगिक विकास के विजन को साकार करने की दिशा में ऐसे एक्सपो प्रभावी मंच सिद्ध हो रहे हैं, जो प्रदेश में तकनीकी विकास, औद्योगिक निवेश एवं रोजगार की संभावनाओं को और अधिक सशक्त बनाएंगे। कार्यक्रम में गोविंदपुरा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय गौड़ एवं भारतीय मीडिया एंड इवेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर भारत बालियान द्वारा मंत्री इन्दर सिंह परमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

समाज का मूल आधार है सहकारिता : सहकारिता मंत्री श्री सारंग

हस्तशिल्प से आजीविका संवर्धन पर आयोजित संगोष्ठी संपन्न

भोपाल(ए.)। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि समाज का मूल आधार सहकारिता है। सहकारिता के माध्यम से परिवार, समाज, राष्ट्र और दुनिया चलती है। जब तक एक-दूसरे का समन्वय, सहयोग और सहभागिता नहीं होती, तब तक किसी भी काम का परिणाम प्राप्त नहीं किया जा सकता। मंत्री श्री सारंग शनिवार को मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ में आयोजित हस्तशिल्प से आजीविका संवर्धन संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ द्वारा क्रियान्वित एवं विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित सीएचसीडीएस योजना अंतर्गत निर्मित सीएफसी कॉमन फैसिलिटी सेंटर का लोकार्पण भी किया। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि राज्य सहकारी संघ द्वारा विभाग की योजना के माध्यम से स्किल ट्रेनिंग प्राप्त करने से रोजगार के अवसर सृजित हो सकेंगे। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर टूलकिट से अपनी जीविका को गति देने से परिवार की आय में वृद्धि होगी। इसका सद्उपयोग कर अपने व्यवसाय कों आगे बढ़ाये और परिवार की आय में अपना सहयोग दें और समृद्ध मध्यप्रदेश सहित विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करें।

निगम ने हटाए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण

ठेला, पान पार्लर, कैरेड, तराजू, बोर्ड, प्लाई आदि जप्त किये

भोपाल(ए)। नगर निगम द्वारा शहर में अतिक्रमणों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सी.एम. हेल्पलाईन, महापौर हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ठेले, गुमठी, काउंटर, पान पार्लर, बोर्ड, रेत, गिट्टी, सब्जी, फल आदि की दुकानें, आवागमन में बाधक वाहन, दुकानों के बाहर रखा सामान, अवैध रूप से बना शेड व चबूतरे हटवाये। निगम अमले ने ठेला, पान पार्लर, कैरेड, तराजू, बोर्ड, प्लाई आदि जप्त किये।

निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने शनिवार को कटारा हिल्स, अमलतास चौराहा, सेफरान कालोनी, 11 मील अंटालाटिंस कालोनी, होशंगाबाद रोड इण्डस टाउन, अयोध्या बायपास, अवधपुरी मेन रोड, गुलमोहर शिवाय काम्पलेक्स, मनीषा मार्केट, बांसखेड़ी, कस्तूरबा नगर चेतक ब्रिज, एम.पी. नगर जोन-1, विशाल मेगा मार्ट एम.पी. नगर जोन-1, 06 नम्बर स्टॉप, हर्षवर्धन नगर, 12 दफ्तर जवाहर चौक, सरस्वती नगर, न्यू मार्केट मस्जिद, जहांगीराबाद शब्बन चौराहा, हमीदिया रोड, रेल्वे स्टेशान प्लेटफार्म नं0-6, हमीदिया हास्पिटल, स्टेट बैंक चौराहा, भोपाल टॉकीज, मालीखेड़ी, भानपुर ब्रिज, भानपुर हास्पिटल, नवीबाग, करोंद हाउसिंग बोर्ड कालोनी, पीपल चौराहा, करोंद चौराहा, भोपाल मेमोरियल हास्पिटल आदि क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए कटारा हिल्स सेफरान कालोनी क्षेत्र में सड़क पर पड़ी रेत, गिट्टी, होशंगाबाद रोड इण्डस टाउन रोड व नवीबाग करोद, हाउसिंग बोर्ड कालोनी क्षेत्र में अवैध रूप से बनें चबूतरे, कस्तूरबा नगर चेतक ब्रिज से आवागमन में बाधक 20 चार पहिया वाहन, सरस्वती नगर जवाहर चौक से सब्जी के ठेले आदि हटाये और 01 ठेला, 01 पान पार्लर, 32 कैरेड, 01 तराजू, 01 बोर्ड, 01 प्लाई आदि जप्त किये।

उज्जैनः संभागायुक्त और कलेक्टर ने किया सिंहस्थ के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

सिंहस्थ महापर्व के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के आवागमन और यातायात प्रबंधन पर फोकस करें : संभागायुक्त

उज्जैन (ए.) । मध्य प्रदेश के उज्जैन में सिंहस्थ महापर्व 2028 के तहत अधोसंरचना के विकास कार्यों का निर्माण किया जा रहा है। निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी लेने के साथ ही अधिकारियों द्वारा सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। शनिवार को संभागायुक्त सह सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सड़क निर्माण कार्य, भीड़ प्रबंधन के लिए निर्माणाधीन अंडरपास निर्माण कार्य का निरीक्षण किया।संभागायुक्त सिंह ने निर्देश दिए कि सिंहस्थ महापर्व के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं के सुविधापूर्वक आवागमन और यातायात प्रबंधन पर फोकस करते हुए मार्गों को जोड़ने के लिए निर्माणाधीन अंडरपास और कनेक्टिंग मार्ग की भी व्यवस्थित प्लानिंग कर लें। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य कराने वाले सभी विभाग आपसी समन्वय कर प्लानिंग करें।शनिवार को संभागायुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सिंहस्थ 2028 के तहत लोक निर्माण विभाग (सिंहस्थ संभाग) द्वारा यातायात दवाब एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए किए जा रहे विभिन्न मार्गों के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्हों तपोभूमि से हामूखेड़ी तक 4.5 किलोमीटर तक निर्माणाधीन मार्ग निर्माण का निरीक्षण किया गया। मार्ग निर्माण की जानकारी लेने के साथ ही साइट पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता भी देखी। संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य के दौरान साइट पर इंजीनियर मौजूद रहे। निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग कर कार्य प्रगति की जानकारी वाट्सअप ग्रुप पर अपलोड करें। इसके बाद संभागायुक्त और कलेक्टर ने इंदौर रोड़ यूनिटी मॉल के समीप से निर्माणाधीन एमआर-24 सड़क निर्माण कार्य की जानकारी मौके पर पहुंच कर ली। सिंहस्थ के तहत हरीफाटक ओवर ब्रिज के समीप निर्माणाधीन अंडरपास निर्माण कार्य के निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त सिंह ने अंडरपास के माध्यम से मिलने वाले मार्ग की जानकारी ली। यहां पर अंडरपास के निर्माण से वाकणकर ब्रिज, इंदौर रोड़, यंत्रमहल मार्ग की ओर से आने वालों के लिए यातायात की सुगमता रहेगी। मौके पर संभागायुक्त ने निर्देश दिए कि अंडरपास के माध्यम से यातायात व्यवस्थित रहे और लोगों को सुविधा रहे इसके लिए निर्माण कार्य कराने वाले विभाग अन्य विभागों के साथ चर्चा कर पूरी प्लानिंग बना लें। संभागायुक्त ने हरीफाटक पार्किंग में जगह उपलब्ध होने पर मैकेनिकल पार्किंग के लिए भी प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

यूरिया खाद की कालाबाजारी पर प्रशासन सख्त

कृषि सेवा केंद्र का लाइसेंस निलंबित

बैतूल (ए.)। जिले के मुलताई विकासखंड के मां यमुना कृषि सेवा केंद्र मोही एवं अमरूते एग्री क्लीनिक परमंडल पर यूरिया खाद की कालाबाजारी का मामला सामने आया है। किसानों की शिकायत पर प्रशासन और कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजीव कहार के मार्गदर्शन में कार्रवाई करते हुए दुकान का निरीक्षण किया। जांच में खाद निर्धारित मूल्य से अधिक दाम पर बेचना पाया गया। साथ ही स्टॉक रजिस्टर नहीं रखना और विक्रय बोर्ड नहीं लगाए जाने जैसी गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान मधु कौशिक और अशोक रघुवंशी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि केंद्र संचालक किसानों को अधिक कीमत पर यूरिया खाद बेच रहा है। शिकायत के बाद असिस्टेंट कलेक्टर पुष्पराज नानासाहेब खोट, तहसीलदार संजय बरैया और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी घनश्याम घिड़ोडे ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच में निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर विक्रय होना पाया गया। दुकान पर विक्रय मूल्य सूची प्रदर्शित नहीं थी और स्टॉक रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं कराया गया, जो कि उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 के नियमों का उल्लंघन है। अधिकारियों ने इसे खाद की कालाबाजारी से जुड़ा मामला मानते हुए तत्काल प्रभाव से दोनों उर्वरक विक्रेताओं की अनुज्ञप्ति को निलंबित कर दिया है एवं तत्काल प्रभाव से विक्रय प्रतिबंधित करके दूकान को सील कर दिया गया है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग सुरेन्द्र परहाते बैतूल ठ्ने बताया कि किसानों के हितों के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिला अस्पताल में मारपीट का फुटेज वायरल

पुराने कर्मचारी ने नये मैनेजर को जडे थप्पड़, कोतवाली थाने में दर्ज हुई एफआईआर

अशोकनगर (ए.)। जिला अस्पताल में शुक्रवार रात आउटसोर्सिंग कंपनी के मैनेजर के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। अस्पताल के गेट पर एक आउटसोर्स कर्मचारी और पूर्व सुपरवाइजर ने मैनेजर के साथ विवाद करते हुए उसे थप्पड जड दिए। यह पूरी घटना अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पीडित मैनेजर ने मामले की शिकायत नई कोतवाली थाने में दर्ज कराई है।

जिला अस्पताल में सुरक्षा गार्ड और सफाई कर्मचारियों का ठेका संभालने वाली कंपनी के मैनेजर राज यादव ने बताया कि शुक्रवार रात उन्होंने आउटसोर्स कर्मचारी हरीचरण रजक को अस्पताल के अंदर जाते देखा। जब मैनेजर ने हरीचरण को रोककर उसके काम के बारे में पूछताछ की और पहचान पत्र (आईडी कार्ड) दिखाने को कहा, तो वह भडक गया और विवाद करने लगा। विवाद के दौरान ही अस्पताल का पूर्व आउटसोर्स सुपरवाइजर कारण पल भी वहां पहुंच गया। मैनेजर राज यादव के अनुसार, हरीचरण रजक और कारण पल दोनों ने मिलकर उनके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट करते हुए थप्पड जडे। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच कर रही है। पीडित मैनेजर ने बताया कि जिला

पानी की समस्या, परेशान रहवासी पहुंचे विधायक और मंत्री के निवास पर

इन्दौर (ए.)। शहर में गहराते जलसंकट और पानी की किल्लत से परेशान लोग लगातार निगम से पानी सप्लाई की व्यवस्था सुचारू करने की मांग कर रहे हैं बावजूद परेशानी कम होने के बजाय बढ़ती जा रही है। इसी

आक्रोशित हो विधानसभा क्रमांक 2 में अब जनता क्षेत्रीय विधायक रमेश मेंदोला और केबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घर पहुंच गई और पानी की परेशानियों से निजात दिलाने की गुहार लगाई। आज सुबह क्षेत्र के रहवासी पानी की समस्या को लेकर विधायक रमेश मेंदोला के घर पहुंचे और समस्या बताई। इस दौरान कुछ क्षेत्रवासियों ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निवास पर भी पहुंचे और पानी की समस्या का जल्द समाधान करने की मांग की। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्याओं का निराकरण नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। हालांकि विधायक रमेश मेंदोला ने उनके सामने ही संबंधित अधिकारियों को बात कर तुरंत समस्या निराकरण के निर्देश दिए।

उज्जैनः गौ तस्करी के विरोध में विहिप का प्रदर्शन, राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

खाचरोद, (ए.)। बकरा ईद से पहले मध्य प्रदेश में कथित गौ तस्करी और गौवंश हत्या की घटनाओं के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ने शनिवार को खाचरोद में प्रदर्शन कर राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा।शाम को विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ता खाचरोद थाने पहुंचे, जहां थाना प्रभारी धनसिंह नलवाया को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने, बकरा ईद के दौरान गौ तस्करी पर रोक लगाने तथा गौवंश हत्या रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की गई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि गौ संरक्षण भारतीय संस्कृति और आस्था से जुड़ा विषय है तथा प्रदेश में अवैध गौ तस्करी और गौवंश हत्या की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई की आवश्यकता है।इस दौरान विहिप और बजरंग दल के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष ओजेश सोलंकी, जिला सह मंत्री समरथ सेन, जिला विशेष संपर्क प्रमुख मुकेश संगीतला, जिला गौ रक्षा प्रमुख प्रदीप पाटीदार, जिला सत्संग प्रमुख रामजीत सिंह चौहान, प्रखंड सह संयोजक मोहित पोरवाल, प्रखंड उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमावत, प्रखंड अखाड़ा प्रमुख हेमंत शर्मा सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।ज्ञापन का वाचन बजरंग दल प्रखंड संयोजक आकाश राव ने किया, जबकि आभार प्रखंड अध्यक्ष राकेश शर्मा ने व्यक्त किया।

कटेनर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

मुरैना (ए.) । जिले के नूराबाद थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-44 पर टेकरी मोड़ के पास बीती रात एक तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक सवार दो लोगों को कुचल दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।घटना के बाद कंटेनर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने कंटेनर जब्त कर लिया है और चालक की तलाश शुरू कर दी है।कंटेनर क्रमांक एनएल 07 AA1668 ने बाइक क्रमांक मप्र 07 जेड बाय 9466 को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार दोनों लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान राधाकृष्ण लोधी (35) और हिम्मत सिंह लोधी (40) निवासी गोरमी, भिंड के रूप में हुई है। दोनों ग्वालियर की ओर से आ रहे थे। सूचना मिलते ही नूराबाद पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए कंटेनर को जब्त कर लिया है।

व्यापार समाचार

पेट्रोल-डीजल के बाद अब CNG के भी बढ़े दाम, 81 रुपए प्रति किलो के पार पहुंचा रेट

नई दिल्ली (ए.)। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की खुदरा कीमत में 1 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई। पिछले 10 दिनों में यह तीसरी बार है, जब कीमतों में बदलाव किया गया है।इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) के अनुसार, नई दिल्ली में सीएनजी की कीमत 80.09 रुपए प्रति किलो से बढ़कर 81.09 रुपए प्रति किलो हो गई है। वहीं, पड़ोसी शहरों नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी की कीमत बढ़कर 89.70 रुपए प्रति किलो हो गई है, जबकि गुरुग्राम में यह 86.12 रुपए प्रति किलो पहुंच गई है।

इससे पहले 15 मई को सीएनजी की कीमत में 2 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई थी, जबकि 17 मई को इसमें 1 रुपए प्रति किलो का इजाफा हुआ था।

सीएनजी की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों और गैस से चलने वाले वाहनों का इस्तेमाल करने वाले यात्रियों पर पड़ने की संभावना है। इससे घरेलू खर्च और लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ सकती है। इस बीच, सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी की। करीब 10 दिनों में यह तीसरी बार है जब ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं।

पेट्रोल की कीमत में 87 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण की गई है, जिसका असर अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 98.64 रुपए से बढ़कर 99.51 रुपए प्रति लीटर हो गई, जबकि डीजल 91.58 रुपए से बढ़कर 92.49 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया। कई रिपोर्ट्स के अनुसार, यह बढ़ोतरी देश भर के कई शहरों में एक समान रूप से लागू की गई है।कोलकाता में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 110.64 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जबकि डीजल 97.02 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मुंबई में पेट्रोल 108.49 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर हो गया है।ईंधन की बढ़ती कीमतों को लेकर आलोचना के जवाब में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल के बावजूद भारत ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को सीमित रखने में सफलता हासिल की है।

भारत में लॉन्च हुई होन्डा सिटी फेसलिफ्ट 2026, पढ़िए फीचर्स और हाइब्रिड विकल्प

नई दिल्ली (ए.)। होन्डा की गाड़ियों के दीवानों के लिए अच्छी खबर है। होन्डा कार इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी 2026 सिटी कार को लॉन्च कर दिया है। इस सेडार कार के अपडेटेड वर्जन की शुरुआती कीमत 11,99,900 (एक्स-शोरूम) रखी गई है। साल 2023 के बाद इस कार में किया गया यह दूसरा बड़ा अपडेट है। इसके साथ ही कंपनी ने अपनी नई ZR-V SUV को भी पहली बार पेश किया है। यह कार पेट्रोल और e:HEV स्ट्रॉंग हाइब्रिड दोनों विकल्पों में उपलब्ध होगी। इस सेगमेंट में यह 4594mm की लंबाई के साथ सबसे लंबी सेडार कार है। इसके सामने के हिस्से में नई ब्लेड आई सिग्नेचर LED लाइटिंग, Bi-LED प्रोजेक्टर हेडलैंप्स, फ्रंट ग्रिल से जुड़ा सेंटर लाइट बार और नए डिजाइन का बंपर दिया गया है।पीछे की तरफ ‘-शेप वाली वाली LED टेल लैंप्स और स्पोर्टी ट्रंक लिप स्पॉइलर मिलता है। इसमें नए 16-इंच के ड्यूल-टोन अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। कार में नया रंग क्रिस्टल ब्लैक पर्ल भी जोड़ा गया है।ये है इंटीरियर और सेफ्टीकार के अंदर आइवरी और ब्लैक टू-टोन इंटीरियर दिया गया है। इसमें 25.6 सेमी (10.1 इंच) की फ्लोटिंग टचस्क्रीन, 360-डिग्री मल्टी व्यू कैमरा, वेंटिलेटेड सीट्स, वेलकम एंबिएंट लाइट और आगे-पीछे USB-C चार्जिंग पोर्ट्स दिए गए हैं। इसमें Honda SENSING इंटेलिजेंट ADAS तकनीक दी गई है जिसमें कोलिजन मिटिगेशन ब्रेकगिं, एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल, लेन कीप असिस्ट जैसे सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं।

इंडियन नेवी में बिना परीक्षा अफसर बनने का सुनहरा मौका, 56000 से ज्यादा सैलरी; यहां जानें आवेदन का पूरा तरीका

नई दिल्ली (ए.)। अगर आप भी भारतीय नौसेना की शानदार वर्दी पहनकर देश की सेवा करने का सपना देख रहे हैं, तो आपके लिए एक बेहद बड़ी और अच्छी खबर है। इंडियन नेवी ने अविवाहित पात्र पुरुष और महिला उम्मीदवारों के लिए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कार्यकारी शाखा में शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) के तहत बंपर भर्ती निकाली है। नौसेना ने कुल 15 पदों पर नियुक्ति के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर योग्य उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह उन युवाओं के लिए एक बेहतरीन अवसर है जो सेना में अपना शानदार करियर बनाना चाहते हैं।

1 जून है आवेदन की अंतिम तारीख

नौसेना की इस खास भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 16 मई से ही शुरू हो चुकी है। जो भी उम्मीदवार इस पद पर नियुक्त होने का सपना देख रहे हैं, वे 1 जून तक अपना एप्लीकेशन फॉर्म भर सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवारों को अपना रजिस्ट्रेशन पूरा करने के लिए भारतीय नौसेना के आधिकारिक पोर्टल पर जाना होगा। यह नियुक्ति जनवरी 2027 से शुरू होने वाले भारतीय नौसेना अकादमी (आईएनए) एझिमाला (केरल) में आयोजित विशेष नौसेना अभिविन्यास पाठ्यक्रम के अंतर्गत की जाएगी।

जानिए क्या होनी चाहिए शैक्षणिक योग्यता और उम्र

इस पद पर आवेदन करने वाले युवाओं के पास कक्षा 10वीं या 12वीं में अंग्रेजी विषय में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक होना अनिवार्य है। इसके साथ ही एमएससी, बीई, बीटेक, एमटेक (कंप्यूटर विज्ञान, आईटी, साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स आदि) या एमसीए के साथ बीसीए व बीएससी (कंप्यूटर विज्ञान या आईटी) में कम से कम 60 प्रतिशत अंक होने चाहिए। आयु सीमा की बात करें तो आवेदकों का जन्म 1 जनवरी 2002 से 1 जुलाई 2007 के बीच हुआ होना चाहिए।

इंटरव्यू के आधार पर होगा चयन और मिलेगी शानदार सैलरी

इस भर्ती प्रक्रिया की सबसे खास बात यह है कि योग्य अभ्यर्थियों का चयन सीधी शॉर्टलिस्टिंग के माध्यम से होगा। उम्मीदवारों को एसएसबी साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा, जिसके बाद एसएसबी इंटरव्यू, मेडिकल टेस्ट और फाइनल मेरिट सूची के आधार पर नौकरी पक्की होगी।

चयनित होने वाले युवाओं को अन्य सैन्य सुविधाओं और भत्तों के साथ 56,100 रुपये प्रति माह की शुरुआती बेसिक सैलरी दी जाएगी। भर्ती और योग्यता से जुड़ी विस्तृत जानकारी के लिए उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अधिसूचना जरूर चेक करें।

भारतीय शेयर बाजार में पूरे हफ्ते दिखा उतार-चढ़ाव का खेल

- भारी बिकवाली के बीच भी दिखी खरीदारी की चमक, कुछ सेक्टरों ने दी संजीवनी

मुंबई (ए.)। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अत्यधिक उतार-चढ़ाव और अप्रत्याशित झटकों से भरा रहा, जहां वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और घरेलू आर्थिक संकेतकों ने बाजार की चाल तय की। निवेशकों को हर दिन बाजार की शुरुआती गिरावट और फिर दिन के अंत में शानदार रिकवरी या इसके विपरीत शुरुआती तेजी के बाद सुस्त समापन जैसे नाटकीय परिवर्तन देखने को मिले। पश्चिमी एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर के मुकाबले रुपये की रिकॉर्ड गिरावट और विदेशी फंड के प्रवाह जैसे कारकों ने बाजार की दिशा को लगातार प्रभावित किया, जिससे यह सप्ताह वैश्विक संकेतों और घरेलू लचीलेपन के बीच झूलता रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लाल निशान के साथ खुला, जहां सेंसेक्स 900 से अधिक अंक और निफ्टी 255 से अधिक अंक गिर गया। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 96.33 (अस्थायी) पर पहुंच गया, जिसने निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी। हालांकि, बाजार ने दिन के अंत तक जबरदस्त वापसी करते हुए निवेशकों को चौंका दिया। सेंसेक्स मामूली रूप से 77.05 अंकों की वृद्धि दर्ज कर हरे निशान पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी में भी 6.45 अंकों की बढ़त रही।

भारतीय शेयर बाजार में पूरे हफ्ते दिखा उतार-चढ़ाव का खेल

- भारी बिकवाली के बीच भी दिखी खरीदारी की चमक, कुछ सेक्टरों ने दी संजीवनी

मुंबई (ए.)। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए अत्यधिक उतार-चढ़ाव और अप्रत्याशित झटकों से भरा रहा, जहां वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और घरेलू आर्थिक संकेतकों ने बाजार की चाल तय की। निवेशकों को हर दिन बाजार की शुरुआती गिरावट और फिर दिन के अंत में शानदार रिकवरी या इसके विपरीत शुरुआती तेजी के बाद सुस्त समापन जैसे नाटकीय परिवर्तन देखने को मिले। पश्चिमी एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर के मुकाबले रुपये की रिकॉर्ड गिरावट और विदेशी फंड के प्रवाह जैसे कारकों ने बाजार की दिशा को लगातार प्रभावित किया, जिससे यह सप्ताह वैश्विक संकेतों और घरेलू लचीलेपन के बीच झूलता रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज लाल निशान के साथ खुला, जहां सेंसेक्स 900 से अधिक अंक और निफ्टी 255 से अधिक अंक गिर गया। डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया अपने रिकॉर्ड निचले स्तर 96.33 (अस्थायी) पर पहुंच गया, जिसने निवेशकों की चिंता और बढ़ा दी।

सेबी ने आईपीओ और री-लिस्टिंग के प्राइस डिस्कवरी सिस्टम में बड़े बदलाव का दिया प्रस्ताव

नई दिल्ली(ए.)। सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) ने गुरुवार को जारी एक परामर्श पत्र में आईपीओ लिस्टिंग और री-लिस्टिंग के दौरान शेयरों की कीमत तय करने की प्रक्रिया में बड़े बदलावों का प्रस्ताव रखा है।

बाजार नियामक ने कहा कि मौजूदा प्राइस डिस्कवरी सिस्टम कृत्रिम रूप से शेयर कीमतों को दबा रहा है, जिसके चलते ट्रेडिंग शुरू होने के बाद लगातार अपर सर्किट लग रहे हैं। सेबी ने प्रस्ताव दिया है कि जब निवेशकों की मजबूत मांग दिखाई दे, तब प्राइस बैंड को अपने आप और तेजी से बढ़ाया जाए, ताकि एक्सचेंजों को बार-बार मैन्युअल हस्तक्षेप न करना पड़े।बयान में कहा गया, डमी प्राइस बैंड को बढ़ाने का सिस्टम सभी एक्सचेंजों में एक जैसा होना चाहिए और जरूरत पड़ने पर प्राइस बैंड तुरंत बढ़ाया जाना चाहिए।सेबी ने कहा कि एक्सचेंजों को पहले से तय नियमों और अन्य एक्सचेंजों से सलाह के आधार पर 10 प्रतिशत के गुणकों में डमी प्राइस बैंड को अपने आप बढ़ाना चाहिए।

नियामक ने यह भी कहा कि यह व्यवस्था सुबह 9:35 बजे से 9:45 बजे तक के रैंडम क्लोजर पीरियड के दौरान भी लागू रहनी चाहिए।

सेबी के मुताबिक, मौजूदा नियमों के कारण प्री-ओपन ऑक्शन सत्र में बड़ी संख्या में वास्तविक खरीद ऑर्डर रिजेक्ट हो रहे हैं, जिससे बाजार सही ओपनिंग प्राइस तय नहीं कर पा रहा है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

व्यापार वार्ता में शामिल भारतीय अधिकारियों ने अमेरिका के सामने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

भारत की दलीलों को डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने स्वीकार नहीं किया। उसने अमेरिका की 2026 की विशेष 301 रिपोर्ट की निगरानी सूची में भारत को बनाए रखा है। इसका मतलब है कि बौद्धिक संपदा संबंधी नियमों में ढील देने के लिए अमेरिका भारत पर दबाव बनाए रखेगा। वह चाहता है कि भारत अपने दवा क्षेत्र को संरक्षण देने वाले कानून बदल दे, ताकि अमेरिकी कंपनियां यहां ज्यादा मुनाफा कमा सकें। धारा 301 अमेरिका का अपना कानून है। इसके बावजूद इसके तहत हुई जांच में भारत ने हिस्सा लिया। सुनवाई के दौरान दलील दी भारत के बौद्धिक संपदा संबंधी नियम विश्व व्यापार संगठन के कायदों के अनुरूप हैं। सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में और आम जन को सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए भारतीय दवा कंपनियों को वैधानिक संरक्षण दिया गया है। साथ ही भारत ने अपने पेटेंट कानून में जरूरी सुधार किए हैं, ताकि आविष्कार भावना और जन हित दोनों के हित सध सकें। लेकिन ट्रंप प्रशासन के कदम से जाहिर है कि उसने इन तर्कों को ठुकरा दिया। उसने भारत पर तलवार लटकाए रखने का फैसला किया है। इसका संकेत है कि आगे चल कर इसके तहत वह प्रतिबंध या ऊंचा शुल्क लगाने जैसी कार्रवाइयां कर सकता है। उसने ये नजरिया तब अपनाया है, जब बताया गया है कि अमेरिका और भारत के बीच व्यापार समझौते की वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है।मुद्दा यह है कि क्या भारत ये वार्ता अपने ऊपर लटक रही ऐसी तलवारों के साये में कर रहा है? अपेक्षित यह है कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते में तमाम क्षेत्रों में कारोबार से जुड़ी पेचीदगियों को हल कर लिया जाए। यह तो नहीं हो सकता कि कुछ वस्तुओं के आयात-निर्यात पर सहमति बने, जबकि कुछ मामलों में अमेरिका दबाव बनाए रखे। अमेरिका के ताजा कदम से यह सवाल उठना लाजिमी है कि भारतीय वार्ताकार सौदेबाजी कर रहे हैं या वे सिर्फ अमेरिकी वार्ताकारों से डिक्टेशन ले रहे हैं? उन्होंने अब तक यह स्पष्ट क्यों नहीं किया है कि हर रियायत झटकने के बाद नया दबाव बना देने की ट्रंप प्रशासन की नीति भारत को मंजूर नहीं है?

और अब इबोला की खतरनाक चुनौती से परेशान दुनिया

मनोज कुमार अग्रवाल

अब दुनिया को एक और वायरस चुनौती देने के लिए दस्तक दे रहा है दुनिया को कोरोना महामारी के दौरान यह सबक मिला कि कोई भी वायरस केवल किसी एक देश या महाद्वीप की समस्या नहीं होता। आज अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो और युगांडा में इबोला वायरस के बढ़ते मामलों ने मामलों ने फिर यह याद दिलाया है कि स्वास्थ्य सुरक्षा अब सीमाओं में बंधी हुई चीज नहीं रही। जहां भी बीमारी फैलती है, उसका प्रभाव पूरी दुनिया की चिंता चन जाता है। ताजा रिपोटों के अनुसार, इस प्रकोप में सैकड़ों संदिग्ध मामले और बड़ी संख्या में संदिग्ध मौतें सामने आई हैं, जबकि भारत में भी प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों के लिए सतर्कता संबंधी सलाह जारी की गई है। यह कितना तेज से फैल रहा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ द कांगो और युगांडा में इबोला के प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है। पूर्वी कांगो में इबोला वायरस के दुर्लभ सुंडीबुग्यो स्ट्रेन के प्रकोप के कारण 139 लोगों की मौत हो गई है और 500 से अधिक संदिग्ध मामले सामने आए हैं। भारत ने इसको लेकर काफी सर्तक है। इबोला वायरस से बढ़ते प्रकोप को देखते हुए भारत और अफ्रीकी संघ के बीच होने वाले शिखर सम्मलेन को रद कर दिया गया। यह आयोजन 28 मई को नई दिल्ली में होना था। साथ ही भारत सरकार की तरफ से सर्तकता जारी की गयी है। इबोला कोई सामान्य बीमारी नहीं है।

इबोला वायरस एक अत्यंत संक्रामक और घातक वायरल हेमोरेजिक बुखार है जो रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाता है। इसके प्रकोप में मृत्यु दर 25त्न से लेकर 90त्न तक होती है। वर्तमान में, कांगो और अफ्रीकी क्षेत्रों में इसके बढ़ते मामलों के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा इसे लेकर वैश्विक अलर्ट जारी किया गया है।इबोला के मुख्य लक्षणवायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों (औसत 8-10 दिन) के भीतर लक्षण दिखाई देने लगते हैं शुरुआती लक्षण तेज बुखार, अत्यधिक थकान, गले में खराश, सिरदर्द और मांसपेशियों में दर्द।गंभीर लक्षण गंभीर उल्टी, दस्त, पेट में दर्द, और त्वचा पर चकत्ते। अंतिम चरण आंतरिक और बाहरी दोनों तरफ से बिना कारण खून बहना, और अंगों का काम बंद कर देना (मल्टी-ऑर्गन फेलियर)यह संक्रमित व्यक्ति के खून, शरीर के तरल पदार्थों या संक्रमित जानवरों के संपर्क से फैल सकता है। बुखार, कमजोरी, उल्टी, दस्त, सिरदर्द और असामान्य रक्तस्राव जैसे लक्षण इसके खतरे की चेतावनी हो सकते हैं। इसलिए ऐसे किसी भी व्यक्ति को, जिसने हाल में प्रभावित क्षेत्र की यात्रा की हो, लक्षण दिखते ही तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और अपनी यात्रा का पूरा विवरण स्वास्थ्य अधिकारियों को बताना चाहिए। इस बार चिंता इसलिए भी अधिक है क्योंकि प्रकोप बुडिबुग्यो स्ट्रेन से जुड़ा बताया जा रहा है। इस स्ट्रेन के लिए अभी व्यापक रूप से उपलब्ध प्रमाणित वैक्सीन की स्थिति सीमित है, और विशेषज्ञों के अनुसार वैक्सीन विकसित करने में समय लग सकता है। यही कारण है कि रोकथाम, जांच, आइसोलेशन और संपर्क में आए लोगों की पहचान सबसे महत्वपूर्ण हथियार बन जाते हैं। अफ्रीका के जिन इलाकों में यह बीमारी फैल रही है, वे पहले से ही हिंसा, विस्थापन और कमजोर स्वास्थ्य सेवाओं जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। जब लोग अपने घर छोड़कर इधर-उधर जाते हैं, अस्पतालों में संसाधन कम होते हैं और स्वास्थ्यकर्मियों के पास पर्याप्त सुरक्षा साधन नहीं होते, तब वायरस को रोकना और कठिन हो जाता है। रिपोर्टों में स्थानीय स्वास्थ्यकर्मियों ने दवाओं, मास्क और संपर्क तलाशने के साधनों की कमी जैसी गंभीर समस्याएं भी उठाई हैं। भारत के लिए फिलहाल घबराने की नहीं, बल्कि पूरी सतर्कता की जरूरत है। देश में अब तक इबोला का कोई मामला सामने आने की सूचना नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय यात्रा के इस दौर में निगरानी को मजबूत रखना आवश्यक है। हवाई अड्डों पर स्क्रीनिंग, संदिग्ध यात्रियों की पहचान, क्वारंटाइन व्यवस्था, प्रयोगशाला जांच और अस्पतालों की तैयारी केवल कागजी प्रक्रिया नहीं होनी चाहिए, बल्कि जमीन पर पूरी मजबूती से लागू होनी चाहिए। सबसे बड़ी जरूरत है कि जनता को सही जानकारी मिले। महामारी के समय अफवाहें भी जंगल की आग की तरह फैलती हैं। कोरोना काल में हमने देखा था कि डर, गलत सूचना और लापरवाही यानि तीनों मिलकर संकट को और बढ़ा देते हैं। इसलिए इबोला को लेकर भी न तो दहशत फैलानी चाहिए और न ही इसे हल्के में लेना चाहिए। सही संदेश यही है कि बीमारी गंभीर है, लेकिन समय पर पहचान, अलगाव और उपचार से संक्रमण की श्रृंखला को तोड़ा जा सकता है। सरकारों की जिम्मेदारी केवल एडवाइजरी जारी करने तक सीमित नहीं हो सकती। जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों, सीमा क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष प्रशिक्षण देना होगा। पीपीई, आइसोलेशन वार्ड, एंबुलेंस व्यवस्था और लैब परीक्षण की तैयारी पहले से सुनिश्चित करनी होगी। यदि कोई संदिग्ध मामला मिले, तो घबराहट के बजाय तेज और संगठित कार्रवाई होनी चाहिए। इस संकट ने फिर सावित किया है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश किसी खर्च का नाम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा है। मजबूत अस्पताल, प्रशिक्षित डॉक्टर नर्स, पारदर्शी सूचना व्यवस्था और वैज्ञानिक सोच ये किसी भी देश को महामारी से बचाने की पहली दीवार हैं। कमजोर स्वास्थ्य व्यवस्था केवल गरीब देशों की समस्या नहीं रहती, क्योंकि बीमारी की कोई सीमा नहीं होती। आज दुनिया को अफ्रीका के प्रभावित क्षेत्रों के साथ खड़ा होना चाहिए। दवा, उपकरण, विशेषज्ञ, धन और तकनीकी सहायता समय पर पहुंचनी चाहिए। किसी महामारी को रोकने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि उसे वहीं नियंत्रित किया जाए जहां वह शुरू हुई है। यदि दुनिया देर करती है, तो उसकी कीमत बाद में कहीं अधिक चुकानी पड़ती है। इबोला का खतरा हमें डराने नहीं, जगाने आया है। कोरोना ने हमें सिखाया था कि देर से चेतना महंगी पड़ती है। अब जरूरी है कि हम पिछले अनुभवों से सीखें। सरकारें सजग रहें, स्वास्थ्य तंत्र तैयार रहे और नागरिक जिम्मेदारी निभाएं। बीमारी से लड़ाई केवल अस्पतालों में नहीं जीती जाती, वह जागरूक समाज, वैज्ञानिक सोच और सामूहिक अनुशासन से जीती जाती है। इसलिए आज संदेश साफ है कि इबोला से डरने की नहीं, सतर्क रहने की जरूरत है। समय पर जांच, सही सूचना, यात्रा इतिहास की ईमानदार जानकारी और स्वास्थ्य निर्देशों का पालन ही इस खतरे को सीमित कर सकता है। दुनिया ने कोरोना को झेला है, उससे सीखा भी है। अब वही सीख इबोला जैसे खतरनाक वायरस के सामने हमारी सबसे बड़ी ताकत बननी चाहिए। इबोला जानलेवा हो सकता है, लेकिन अजेय नहीं है।

इतिहास गवाह है कि मजबूत निगरानी, तेज कार्रवाई और समुदाय के सहयोग से इबोला के प्रकोपों को रोका गया है। इस बार भी दुनिया को घबराने के बजाय एकजुट होकर काम करना होगा। भारत को भी सतर्क रहना होगा, लेकिन डर का माहौल नहीं बनाना होगा। नागरिकों को अफवाहों से बचना चाहिए, सरकार को तैयारी मजबूत रखनी चाहिए और मीडिया को जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि हम कोरोना के अनुभव से सीखें और हर नए वायरस को केवल खतरा नहीं, बल्कि तैयारी की परीक्षा मानें। मानवता ने पहले भी महामारियों का सामना किया है और आगे भी करेगी। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार हमें देर नहीं करनी है।आपको बता दें कि यह बीमारी हवा के जरिए नहीं फैलती, बल्कि निम्नलिखित माध्यमों से सीधे संपर्क में आने पर होती है संक्रमित व्यक्ति या मृत शरीर के रक्त और शारीरिक तरल पदार्थों पसीने, लार, उल्टी, वीर्य को छूना।दूषित सुइयों या चिकित्सा उपकरणों का इस्तेमाल।

आत्मनिर्भरता, पोषण और बदलाव की नई पहचान बनीं महिला स्व-सहायता समूह

डॉ. दानेश्वरी संभाकर

छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तिकरण और कुपोषण मुक्ति को एक साथ जोड़ते हुए राज्य सरकार ने एक ऐसी पहल शुरू की है, जिसने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आशा, आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिरता की नई रोशनी जगाई है। आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पूरक पोषण आहार (रेडी-टू-ईट) के निर्माण एवं वितरण का दायित्व महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपकर सरकार ने महिलाओं को केवल रोजगार ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें विकास की मुख्यधारा में सशक्त भागीदारी का अवसर भी प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रारंभ की गई यह पहल राज्य में महिला सशक्तिकरण और पोषण सुरक्षा के समन्वित मॉडल के रूप में उभर रही है। पहले जहां पूरक पोषण आहार निर्माण का कार्य बाहरी एजेंसियों के माध्यम से किया जाता था, वहीं अब यह जिम्मेदारी गांव की महिलाओं ने संभाल ली है, इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित हुआ है और महिलाओं की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिल रही है।

राज्य सरकार ने प्रथम चरण में रायगढ़, कोरबा, सूरजपुर, बस्तर, दंतेवाड़ा और बलौदाबाजार-भाटापारा जिलें में इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में लागू किया है। इन छह जिलें के 42 महिला स्व-सहायता समूहों को रेडी-टू-ईट पोषण आहार निर्माण एवं वितरण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन समूहों के माध्यम से हजारों महिलाओं को रोजगार मिली है और वे अब संगठित रूप से उत्पादन, पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण और वितरण का कार्य संभाल रही हैं।

पश्चिमी बंगाल क्या हारे, हिंदू ध्रुवीकरण से विपक्ष की चूल्हें हिल गई?

अजय दीक्षित

पश्चिमी बंगाल का विधानसभा चुनाव के परिणाम एक युग का अंत और दूसरे युग का आरंभ है। चुनाव विशेषज्ञ देवस्कर भाऊ ने कहा है कि यह चुनाव भारतीय जनता पार्टी ने ही नहीं जीता है बल्कि बंगाल की जनता ने 2021 की भूल सुधार की है। इस बार 2026 में हिंदू ध्रुवीकरण हुआ और उसमें अभिजात्य वर्ग भी शामिल हो गया है।

इस सनातनी ध्रुवीकरण से पूरे देश की विपक्ष और मुस्लिम तुष्टिकरण करने वाली पार्टियों चूल्हें हिल गई है चाहे वह समाजवादी पार्टी हो या कांग्रेस, डीएमके हो। यद्यपि माना जाता है कि 2021 में भी तत्कालीन समय में भी परिवर्तन हो सकता था मगर तृणमूल कांग्रेस के कादर ने मतदान के दिन दो बजे के बाद छापा मतदान कर दिया और बंगाल पुलिस, मतदान से जुड़े अधिकारियों ने टीएमसी को सहयोग किया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया के संपादक जयंत घोषाल कहते हैं कि अब हिंदू ध्रुवीकरण यहां से आगे ही बढ़ेगा और अन्य पार्टियां को अपनी राजनितिक जमीन नए सिरे से बनानी पड़ेगी। जयंत घोषाल ने कहा है कि केरल में दबे पांव सनातनी ध्रुवीकरण शुरू हो गया है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने 11.2 फीसदी वोट हासिल किए हैं। इतने मतों पर भारतीय जनता पार्टी को 20 सीट मिलना चाहिए था लेकिन किसी भी पार्टी ने भाजपा से हाथ नहीं मिलाया और 03 सीट ही मिली। लेकिन भाजपा को सीपीएम सीपीई आरएसपी लेफ्ट पार्टियों की हार से उपजे निरंक को अगले चुनाव के लिए भरना पड़ेगा और जनता के बीच जाना पड़ेगा । बिहार, महाराष्ट्र, असम, उड़ीसा, हरियाणा, दिल्ली में भी सनातनी ध्रुवीकरण हुआ है। भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2016 में 11 फीसदी वोट ले कर 03 सीट ही जीत सकी थी लेकिन 2021 में 40 फीसदी वोट मिले और सीट मिली 77, 2026 में 46.5 मत हासिल कर 207 सीट जीती है। दरअसल गुरु गोलवलकर ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को 1951 में इस लिए राजनीतिक दल बनाने के लिए कहा था क्योंकि तत्कालीन समय में हिंदुओं की बात करने को भी पाप बताया जाता था। श्यामा प्रसाद मुखर्जी हिंदू महासभाई थे।और उन्होंने नेहरू मंत्री परिषद से इस्तीफा इस लिए दे दिया था क्योंकि कांग्रेस भी मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति पर चल पड़ी थी और जम्मू कश्मीर को भारतीय संविधान की अनुच्छेद 370 के तहत विशेष राज्य का दर्जा दे दिया था।शेष देश के निवासियों को जम्मू कश्मीर जाने के लिए परमिट लेना पड़ता था । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ चाहता था कि आर्टिकल 370 संविधान की मूल भावना के विपरीत लेकिन संघ के पास कुछ नहीं था । लेकिन गुरु गोलवलकर ने सनातनी ध्रुवीकरण के बीज बो दिए थे। भारतीय जनता पार्टी भी संघ का ही एक प्रकल्प है। जिसने शने शेन प्रगति की । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बनने के बाद संघ की विचारधारा पर तेजी से काम हुआ है।बंगाल विधानसभा चुनाव में एक मुद्दा और सामने आया कि तृणमूल कांग्रेस राज में अराजकता बहुत थी जिसने जहां चाहा हावड़ा जंक्शन का गलियारा भी अतिक्रमण कर लिया था। बांग्लादेश से घुसपैठ हो लाखों लोग रोजगार करने बंगाल आ गया। मुस्लिम तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया गया।असम और बंगाल यह एक व्यथा है।दोनों ही राज्य कला संस्कृति, अध्यात्म, पर्यटन के लिए जाने जाते थे लेकिन 50 वर्षों में सब गुड गोबर कर दिया। ऐसे राज्य कोई भी उद्योग नहीं पनप सकता।यही स्थिति बिहार की थी ।आज तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, झारखंड,ओडिशा औद्योगिक क्षेत्र बने हुए हैं । रवींद्र नाथ टैगोर, रामकृष्ण परमहंस, शिशिर बसु, अरविंद घोष, विधानचंद्र राय, स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, रासबिहारी दास,की भूमि को क्या से क्या बना दिया।तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश उन्नत राज्य है ।देश जीडीपी का तीस फीसद हिस्सा इन्हीं राज्यों से आता है। ओडिशा, उत्तराखंड, झारखंड, छत्तीसगढ़ ऐसे राज्य है जहां भूगर्भ संपदा है। जिसमें बॉक्साइड,आयरन अयस्क, कोल फील्ड भारी मात्रा में है। इन राज्यों भाजपा सरकार है।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपकी कई योजनाएं समय से पूरी हो जाएंगी। परिवार का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल कर लेंगे। किसी कठिन परिस्थिति में आपको कुछ लोगों से आसानी से मदद मिल जायेगी।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज कुछ बड़ा और अलग काम करने से आपको बचना चाहिए। किसी मामले को आपको बातचीत और शांति से सुलझाने की कोशिश करनी चाहिए। साथ ही आप संवेदनशील भी हो सकते हैं। परिवार वालों के साथ अधिक-से-अधिक समय बितायेंगे। आज कुछ मामलों पर आप विचार कर सकते हैं। छात्रों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को पैसों के मामलों में लाभ हो सकता है। आज रोज की अपेक्षा ऑफिस में काम आसानी से पूरा हो सकता है। साथ ही बॉस आपकी परफॉरमेंस से खुश होकर आपको अच्छा-सा गिफ्ट कर सकते हैं। संतान पक्ष से सुख प्राप्त होगा। दूसरों की जरूरतों को पूरा करने की आप कोशिश करेंगे। आपकी ऊर्जा से लोग प्रभावित हो सकते हैं।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। दोस्तों के साथ घूमने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। इस राशि के मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर है। आपके परिवार में सुख-सौभाग्य बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ ज्यादा समय बिताने की कोशिश करेंगे। ऑफिस में उच्चधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। कुछ नये विचारों पर भी काम कर सकते हैं।

सिंह राशि:सिंह राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात की संभावना है।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। सभी काम आपके मन-मुताबिक पूरे हो सकते हैं। जरूरत से ज्यादा एकाग्रता के कारण आपको थोड़ी परेशानी हो सकती है। कुछ मनोरंजन के मौके मिल सकते हैं।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। इस राशि के कारोबारियों को उम्मीद से ज्यादा लाभ मिलेगा। ऑफिस में आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा। दूसरे लोग आपकी योजना से काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। लवमेट के लिए आज का दिन बेहतरीन है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आपके अधूरे काम पूरे हो सकते हैं। कुछ नए मौके आपको मिल सकते हैं। मिल कर किये गए कामों से आपको बहुत हद तक सफलता मिलने के योग है। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज आप नया करतब सीखने का प्रयास करेंगे। व्यापार में उचित लाभ की प्राप्ति हो सकती है।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन सुनहरे पल लेकर आयेगा। साहित्य के क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़ी खुशखबरी मिलेगी। करियर में आप नए आयाम स्थापित करेंगे। किसी काम में जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद रहेगी। दोस्तों के साथ मूवी जाने का प्लान बनायेंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ होगी, जिससे आपका मन खुश रहेगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन व्यस्तता में बीत सकता है। आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच कर सकते हैं। आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती है। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा। भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। कला और साहित्य के क्षेत्र में रुझान बढ़ेगा। माता-पिता के मार्गदर्शन में नया बिजनेस शुरू करने की योजना बनायेंगे।

कुंभ राशि: कुंभ राशि वालों आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके दाम्पत्य रिश्ते मधुर होंगे। रोजमर्रा के कामों से आपको फायदा होगा। कारोबार में पैसा लगाने के बारे में सोच सकते हैं। आपको कई नये काम करने के मौके मिलेंगे। आप दूसरों की मदद के लिये तैयार रहेंगे। परिवार में लाभ की स्थिति बनेगी। रचनात्मक काम से आपको फायदा मिलेगा।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। कुछ लोगों की मदद से आपके काम पूरे हो सकते हैं। आपको अच्छी खुशखबरी मिल सकती है। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे। साथ ही वो किसी काम में आपसे सलाह भी ले सकते हैं।

नक्सलवाद के साथ नक्सलवादी मानसिकता का खात्मा भी जरुरी

मनोज कुमार अग्रवाल

नक्सलवाद के लगभग पूरी तरह खत्म होने का दावा काफी हद तक सही है, क्योंकि हाल के वर्षों में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की है। सरकार द्वारा निर्धारित 31 मार्च, 2026 की समय-सीमा तक वामपंथी उग्रवाद को अपने सबसे मजबूत गढ़ों (जैसे बस्तर) से काफी पीछे धकेल दिया गया है। नक्सलवाद की समाप्ति के दावों का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि जमीनी कार्रवाई में बड़ी सफलतासुरक्षा बलों ने नक्सल विरोधी अभियानों में भारी सफलता हासिल की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो वर्षों में सैकड़ों कुख्यात नक्सली कमांडरों को मुठभेड़ में मार गिराया गया है और हजारों नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। घटता दायरा (रेड कॉरिडोर)कभी देश के करीब 180 जिलों में फैला नक्सली प्रभाव अब सिमटकर बहुत ही कम क्षेत्रों (मुख्य रूप से दक्षिण छत्तीसगढ़ के अंदरूनी इलाकों) तक रह गया है। मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों को आधिकारिक तौर पर नक्सल मुक्त घोषित किया जा चुका है लेकिन अभी नक्सली मानसिकता का समूल नष्ट करना बाकी है।

आपको बता दें कि भारत के लिए नक्सलवाद केवल कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं था, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, लोकतांत्रिक व्यवस्था और आदिवासी समाज के भविष्य से जुड़ा एक गहरा संकट था। दशकों तक नक्सल हिंसा ने देश के अनेक हिस्सों, विशेषकर छत्तीसगढ़ के बस्तर जैसे क्षेत्रों को भय, अविश्वास और पिछड़ेपन के अंधेरे में धकेले रखा। उससे मुक्ति निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बस्तर को नक्सलवाद से मुक्त बताते हुए यह भी कहा कि अब सरकार की जिम्मेदारी पिछले 50 वर्षों के नुकसान की भरपाई करना है और बस्तर को देश के सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्रों में शामिल करना है। सरकारी बयान के अनुसार, 3,000 आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों को सम्मानजनक जीवन देने और बस्तर को विकसित भारत की यात्रा से जोड़ने पर जोर दिया गया है। ऐसे में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बस्तर से यह कहना कि भारत नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है, निस्संदेह एक ऐतिहासिक क्षण है। यह घोषणा केवल सरकार की उपलब्धि नहीं,

बल्कि उन हजारों जवानों, पुलिसकर्मियों, स्थानीय आदिवासियों और निर्दोष नागरिकों के संघर्ष की परिणति है, जिन्होंने इस लंबी लड़ाई में अपनी जान, परिवार और भविष्य तक दांव पर लगा दिया। नक्सलवाद का इतिहास देश के लिए पीड़ा से भरा रहा है। 1970 के दशक से लेकर लंबे समय तक यह हिंसक विचारधारा गरीबों, आदिवासियों और वंचितों के नाम पर बंदूक की राजनीति करती रही। जिन लोगों के अधिकारों की बात कर नक्सल आंदोलन खड़ा किया गया था, सबसे अधिक नुकसान भी उन्हीं गरीबों और आदिवासियों को उठाना पड़ा। स्कूल जलाए गए, सड़कें नहीं बनने दी गई, स्वास्थ्य केंद्रों का विरोध हुआ, सरकारी योजनाओं को गांवों तक पहुंचने से रोका गया और युवाओं को शिक्षा के बजाय हथियार थमा दिए गए।

आपको पता है कि यह विडंबना ही थी कि विकास के नाम पर शुरू हुआ आंदोलन विकास का सबसे बड़ा विरोधी बन गया। बस्तर इसका सबसे बड़ा उदाहरण रहा है। प्राकृतिक संपदा, आदिवासी संस्कृति और मानवीय संभावनाओं से भरपूर यह क्षेत्र लंबे समय तक भय का दूसरा नाम बना रहा। रात में आवाजाही चंद, गांवों में खामोशी, स्कूलों में ताले, सड़क निर्माण पर हमला और सुरक्षा बलों पर घात लगाकर वार, यह सब बस्तर की सामान्य पहचान बन चुका था। नक्सलियों के डर के कारण सरकारी योजनाएं कागजों में रह जाती थीं और आम आदिवासी नागरिक अपने ही देश की विकास यात्रा से कट जाता था। थान की खरीद, मुफ्त राशन्, शिक्षा, नौकरी में आरक्षण, स्वास्थ्य रक्षण, स्वास्थ्य सुविधा और सड़क जैसी बुनियादी वीजें भी कई इलाकों में सपने जैसी थीं। इसलिए जब गृह मंत्री ने कहा कि बस्तर के लिए यह बड़ा दिन है और देश नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है, तो यह बयान केवल राजनीतिक घोषणा नहीं माना जाना चाहिए। यह उन सुरक्षा बलों के परिश्रम की मान्यता है, जिन्होंने बेहद कठिन भौगोलिक परिस्थिति, जंगलों, पहाड़ियों और बारूदी सुरंगों के बीच संघर्ष किया। सीआरपीएफ, कोबरा कमांडो, डीआरजी, राज्य पुलिस और स्थानीय सुरक्षा बलों ने जिस साहस, धैर्य और रणनीति के साथ अभियान चलाए, यह भारत की आंतरिक सुरक्षा नीति का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। इस सफलता में स्थानीय आदिवासी समाज की भूमिका भी कम नहीं है। जब स्थानीय जनता का भरोसा शासन और सुरक्षा बलों पर बढ़ता है, तभी किसी भी हिंसक आंदोलन की जमीन कमजोर होती है। नक्सलवाद के खिलाफ जीत केवल सैन्य या पुलिस कार्रवाई से संभव नहीं थी। इसकी असली सफलता सुरक्षा और विकास के संतुलित मॉडल में निहित है। यदि बंदूक के जवाब में केवल बंदूक होती, तो समस्या शायद कमजोर होती, लेकिन समास नहीं होती। नक्सलवाद को जड़ से खत्म करने के लिए जरूरी था कि गांवों तक सड़क पहुंचे, बच्चों तक स्कूल पहुंचे, बीमारों तक अस्पताल पहुंचे और युवाओं तक रोजगार पहुंचे। अब जब सरकार यह कह रही है कि बस्तर को देश का सबसे विकसित आदिवासी क्षेत्र बनाया जाएगा, तो मही इस सफलता की अगली कसौटी होगी। गृह मंत्री द्वारा केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के 70 कैंपों को विकास के यन-स्टॉप सेंटर के रूप में विकसित करने की बात अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ यह है कि जो कैप पहले केवल सुरक्षा के प्रतीक थे, वे अब सरकारी योजनाओं, जनसेवा और विश्वास निर्माण के केंद्र बनेंगे। यदि इन केंद्रों के माध्यम से आदिवासियों को 370 सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे मिले, तो यह बस्तर की दिशा बदल सकता है। लेकिन इसके लिए कागजी घोषणा से अधिक जमीन पर ईमानदार क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। अधिकारी गांवों तक जाएं, आदिसी भाषाओं और संस्कृति को समझें, स्थानीय जरूरतों के आधार पर योजनाएं बनें और भ्रष्टाचार को सख्ती से रोका जाए। इसके लिए जमीन अधिकार, चन अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, इंटरनेट, सड़क, पेयजल और स्थानीय भागीदारी को प्राथमिकता देनी होगी। आदिवासी समाज को विकास का केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि भागीदार बनाना होगा।

कर्नाटक में भीषण सड़क हादसा, ट्रक की टक्कर से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

कलबुर्गी,(आरएनएस)। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में भीषण हादसा हो गया। एक क्रूजर वाहन और ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। यह घटना कलबुर्गी जिले के चित्तपुर तालुका के लाडलापुर के पास हुई। जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार देर रात चित्तपुर तालुक के इंगलागी गांव के एक ही परिवार के सदस्य क्रूजर में यादगीर से लौट रहे थे। इसी दौरान लाडलापुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ट्रक से क्रूजर की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि क्रूजर में सवार तोलुसाब केशवर (27), हुसैन शाह (48), मैबूब अली (45), रसूल बी (42) और फातिमा अली (38) की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मौके पर भीड़ उमड़ पड़ी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। जानकारी के अनुसार, इंगलागी गांव के एक बीमार व्यक्ति को इलाज के लिए यादगीर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में भर्ती कराने के बाद परिवार के 5 सदस्य एक क्रूज़र वाहन से अपने गांव लौट रहे थे। रात में जब वे लाडलापुरा गांव पहुंचे तो सामने से आ रहे एक ट्रक से उनकी टक्कर हो गई।दुर्घटना की आवाज सुनकर स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को तुरंत सूचना दी गई। शवों को वाहन से निकालकर पोस्टमार्टम के लिए वादी सरकारी अस्पताल भेजा गया। इस दुखद घटना से इंगलागी गांव शोक में डूबा हुआ है। एक ही परिवार के इतने सदस्यों की एक साथ मृत्यु से ग्रामीण स्तब्ध हैं। परिवार के सदस्यों की असमय मृत्यु से परिजनों, मित्रों और गांव के लोगों में शोक का माहौल है। लोग मृतकों के परिवार को सांत्वना देने के लिए अस्पताल और गांव पहुंच रहे हैं। इस संबंध में वादी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है। दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने पर कांग्रेस नेता अजय राय के खिलाफ महोबा में एफआईआर दर्ज

महोबा,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित तौर पर अपशब्द का इस्तेमाल किए जाने पर कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अजय राय ने राज्य के महोबा में अपने समर्थकों से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी के लिए गलत शब्दों का प्रयोग किया था। भाजपा नेता एडवोकेट नीरज रावत ने महोबा कोतवाली में अजय राय के खिलाफ उनकी टिप्पणी को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर कार्रवाई करते हुए महोबा कोतवाली पुलिस ने अजय राय और निवर्तमान सचिव बृजराज समेत कुल 30 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। शिकायतकर्ता ने कहा, एक सामाजिक व राजनैतिक कार्यकर्ता होने के कारण मैं अपने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सम्मान करता हूं। शुक्रवार को जनपद महोबा के निवर्तमान कांग्रेस सचिव बृजराज ने बिना प्रशासनिक अनुमति के आयोजित कार्यक्रम में अजय राय को निमंत्रित किया था। कार्यक्रम में अजय राय 15-16 गाड़ियों के काफिले और 25-30 समर्थकों के साथ समद नगर मोहल्ले में पहुंचे। अजय राय का काफिला सड़क पर खड़ा था, जिससे आम जनता के लिए रास्ता रुक गया।

बिहार में दूध महंगा सुधा के दामों में बढ़ोतरी, 25 मई से लागू होगी नई कीमतें

पटना, (ए.)। बिहार में आम लोगों को एक बार फिर महंगाई का झटका लगा है। बिहार स्टेट मिल्क को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (कॉमफेड) ने सुधा दूध और उसके कई दुग्ध उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी का फैसला किया है। नई दरें 25 मई से पूरे राज्य में लागू होंगी। कॉमफेड के अनुसार दूध उत्पादन लागत, ट्रांसपोर्ट, पैकेजिंग, बिजली और डीजल के बढ़ते खर्च के कारण यह फैसला लिया गया है। फेडरेशन का कहना है कि पशुपालकों को दिए जाने वाले दाम भी बढ़े हैं, इसलिए खुदरा कीमतों में संशोधन जरूरी हो गया था।

सुधा गोल्ड (500 एमएल): 33 रुपया से अब 35 रुपया

1 लीटर पैक: 68 रुपया

सुधा शक्ति टोंड (500 एमएल): 27 रुपया से अब 28 रुपया सुधा स्टैंडर्ड (500 एमएल): 29 रुपया से अब 31 रुपया

अन्य श्रेणियों में भी 1 रुपया से 3 रुपया तक की बढ़ोतरी

घी, पनीर और बटर भी महंगे

घी (1 लीटर): 315 रुपया से अब 325 रुपया

पनीर (200 ग्राम): 85 रुपया से अब 95 रुपया

टेबल बटर (500 ग्राम): 270 रुपया से अब 305 रुपया

व्हाइट बटर में भी अलग-अलग बढ़ोतरी

दही, लस्सी और मिठाइयाँ भी प्रभावित

दही (1 केजी):72 रुपया से अब 78 रुपया

लस्सी और मैंगो लस्सी: 2 से 3 रूपये की बढ़ोतरी

मिल्क केक, पेड़ा, गुलाब जामुन, रसगुल्ला और अन्य मिठाइयाँ भी महंगी।

रोजगार मेले में 51 हजार लोगों को नियुक्ति पत्र, पीएम मोदी बोले- हमारे युवा विकसित भारत की यात्रा का अहम हिस्सा

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 19वें रोजगार मेले में अलग-अलग सरकारी विभागों और संगठनों में 51 हजार से अधिक नवनियुक्त युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि भारत के युवा विकसित भारत की ओर बढ़ रही यात्रा को गति देने में एक अहम भूमिका निभा रहे हैं। रोजगार मेला युवाओं को नए अवसर प्रदान कर सशक्त बनाने के प्रति हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज देशभर के हजारों युवाओं के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। आज 51,000 से ज्यादा युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र मिला है। इस उपलब्धि के लिए मैं सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए नवनियुक्त युवाओं से संवाद करते हुए पीएम मोदी ने कहा, आज आप सभी देश की विकास यात्रा में अहम भागीदार बन रहे हैं, जिम्मेवार भागीदार बन रहे हैं। रेलवे, बैंकिंग, डिफेंस, हेल्थ, एजुकेशन और दूसरे कई क्षेत्रों में आप सभी नई जिम्मेदारियां संभालने जा रहे हैं। आने वाले वर्षों में विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करने में आप सभी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं।उन्होंने

कहा, अभी दो दिन पहले मैं पांच देशों की यात्रा करके लौटा हूं। कहने को तो ये सिर्फ पांच देशों की यात्रा थी, लेकिन इस दौरान मेरी दर्जनों देशों की बड़ी बड़ी कंपनियों के लीडर्स से बातें हुईं, विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान हर जगह मैंने एक बात समान रूप से महसूस की है। दुनिया भारत के युवाओं और भारत की टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस को लेकर बहुत उत्साहित है। आज दुनिया भारत की विकास यात्रा का हिस्सा बनना चाहती है। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि भारत भी दुनिया के अलग-अलग देशों के साथ पार्टनरशिप कर रहा है। इसका उद्देश्य यही है कि भारत के युवाओं को अवसर मिले, रोजगार मिले और उनका सामर्थ्य खिल उठे। साथ ही साथ, मैं चाहता हूं कि देश के नौजवानों को ग्लोबल एक्सपोजर भी मिले। उन्होंने कहा, आज स्वच्छ ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, हरित हाइड्रोजन और टिकाऊ विनिर्माण से जुड़े क्षेत्र भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इनसे जुड़ी साझेदारी एक नई अर्थव्यवस्था के नए अवसर के दरवाजे खोल रही हैं।

स्वीडन, नॉर्वे और इटली जैसे देशों के साथ ग्रीन ट्रांजिशन एंड सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी में भी सहयोग बढ़ रहा है। ये भारत को क्लीन मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी फ्यूचर इंडस्ट्री में मजबूत करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय एक बड़े संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। ये संकल्प, 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आज देश अलग-अलग क्षेत्र में निवेश कर रहा है और इस निवेश से देश के युवाओं के लिए रोजगार के लाखों नए अवसर बन रहे हैं।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी नई दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की राष्ट्रीय सलाहकार परिषद को संबोधित करते हुए। साथ में कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल और कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी भी इस अवसर पर उपस्थित हैं।

जेलों में शिक्षा की रोशनी: गुजरात की जेलों के 44 बंदियों ने पास की 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा

- पुनर्वास और सुधार की दिशा में प्रेरणादायक पहल, जेल प्रशासन के सहयोग और शिक्षा से बदल रही है बंदियों की जिंदगी

अहमदाबाद (ए.)। गुजरात में जेल की ऊँची दीवारों और लोहे की सलाखों के पीछे, जहाँ सामान्यत: अंधकार, पछतावा और अकेलेपन की छवि उभरती है, वहीं राज्य सरकार के प्रयासों से अब एक नई उम्मीद की किरण दिखाई दे रही है। नायब मुख्यमंत्री हर्ष संघवी के नेतृत्व और राज्य पुलिस महानिदेशक डॉ. के. एल. एन. राव के मार्गदर्शन में राज्य की जेलों में शिक्षा के माध्यम से पुनर्वास का एक प्रेरणादायक मॉडल सामने आया है।

इस वर्ष राज्य की विभिन्न जेलों में बंद कुल 44 बंदियों ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है। इनमें 10वीं कक्षा के 22 और 12वीं कक्षा के 22 बंदी शामिल हैं। यह उपलब्धि जेल प्रशासन की निरंतर मेहनत, मार्गदर्शन और मानवीय दृष्टिकोण का परिणाम मानी जा रही है, जिसने बंदियों के जीवन में शिक्षा की रोशनी फैलाई है। जेल विभाग द्वारा इन बंदियों को परीक्षा फॉर्म भरवाने से लेकर किताबें, अध्ययन सामग्री और विषयवार कक्षाओं की पूरी सुविधा उपलब्ध कराई गई। इतना ही नहीं, जेल परिसर में ही परीक्षा केंद्र की व्यवस्था की गई, जिससे बंदियों को एक अनुकूल और सुरक्षित वातावरण में परीक्षा देने का अवसर मिला।

BJP में शामिल होते ही राघव चड्ढा को मिली बड़ी जिम्मेदारी, राज्यसभा में याचिका समिति के बने अध्यक्ष

नई दिल्ली (आरएनएस)। हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए राघव चड्ढा को संसद में अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें राज्यसभा की याचिका समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राज्यसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में इसकी जानकारी दी गई। अधिसूचना के अनुसार, राज्यसभा के सभापति C. P. Radhakrishnan ने 20 मई 2026 से प्रभावी रूप से याचिका समिति का पुनर्गठन किया है। इसके तहत सदन के 10 सदस्यों को समिति में नामित किया गया है, जबकि राघव चड्ढा को समिति की कमान सौंपी गई है। समिति में राघव चड्ढा के अलावा हर्ष महाजन, गुलाम अली, शंभू शरण पटेल, मयंककुमार नायक, मस्तान राव यादव बीधा, जेबी माथेर हिशाम, सुभाशीष खुंटिया, रंगव्रा नारजारी और संदोश कुमार पी को भी शामिल किया गया है। इसी के साथ राज्यसभा सचिवालय की एक अन्य अधिसूचना में बताया गया कि राज्यसभा सदस्य Menaka Guruswamy को कॉर्पोरेट कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 से संबंधित संयुक्त समिति का सदस्य नामित किया गया है। गौरतलब है कि राघव चड्ढा ने हाल ही में आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर छह अन्य राज्यसभा सांसदों के साथ बीजेपी का दामन थामा था। 27 अप्रैल को सभी सात सांसद औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल हुए थे। इसके बाद राज्यसभा में आम आदमी पार्टी की संख्या घटकर तीन सांसदों तक रह गई है।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 48 करोड़ का मादक पदार्थ पकड़ा गया, दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम विभाग ने बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ के साथ तस्करों को गिरफ्तार किया है। थाईलैंड के रहने वाले दो यात्री मादक पदार्थ के लिए एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, जिसकी कीमत 48 करोड़ बताई जा रही है। कस्टम विभाग के अनुसार, नई दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक की फ्लाइट (एआई-2356) से शुक्रवार को आ रहे दो थाईलैंड के यात्रियों को सीमा शुल्क ग्रीन चैनल पार करने के बाद रोका। विशिष्ट प्रोफाइलिंग इनपुट और संदिग्ध यात्रा संकेतों के आधार पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने दोनों यात्रियों के सामान की जांच की। जांच के दौरान हाइड्रोपोनिक वीड (गांजा) होने के संदेह वाले छह (6) वैक्यूम-सील्ड पैकेट बरामद हुए। लगभग 29 किलोग्राम वजन के चार पैकेट एक यात्री के सामान से बरामद किए गए, जबकि लगभग 19 किलोग्राम वजन के दो पैकेट दूसरे यात्री के सामान से बरामद किए गए। इस मामले में बरामद संदिग्ध मादक पदार्थ की कुल मात्रा लगभग 47.805 किलोग्राम थी। बरामद एनडीपीएस पदार्थ का बाजार मूल्य लगभग 48 करोड़ रुपये है। दिल्ली के आईजीआई हवाई अड्डे पर हाल के दिनों में हुई सबसे बड़ी जब्ती में से यह एक है। मामले की आगे की जांच जारी है। इसके पहले इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क (कस्टम विभाग) के अधिकारियों ने अवैध रूप से सोना लेकर पहुंचे एनआरआई यात्री को गिरफ्तार किया था। सीमा शुल्क अधिकारियों ने जांच के दौरान पाया था कि यात्री ने अपनी पैंट की भीतरी जेबों में 115 सोने की छड़ें छिपा रखी थीं, जिनका कुल वजन 3565 ग्राम था।यात्री ने सोने को छिपाने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई बेल्ट का इस्तेमाल किया था।बरामद सोने की छड़ें 24 कैरेट सोने की थी, जिनकी शुद्धता 999.9 है। इन्हें भारत में तस्करी करके लाया जा रहा था और सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 110 के तहत जब्त किया गया है।

नए सत्र में बिना सरकार की मंजूरी के फीस बढ़ा सकेंगे प्राइवेट स्कूल, दिल्ली हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को शिक्षा निदेशालय (DoE) को बड़ा झटका देते हुए कहा कि निजी और गैर-सहायता प्राप्त मान्यता प्राप्त स्कूलों को नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ाने के लिए पहले से सरकारी मंजूरी लेने की जरूरत नहीं है।

जस्टिस अनूप जयराम भंभानी की बेंच ने स्पष्ट किया कि पूर्व अनुमति केवल तब आवश्यक होगी, जब कोई स्कूल चल रहे शैक्षणिक सत्र के बीच फीस बढ़ाना चाहता हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी स्कूल के पास सरप्लस फंड होना मात्र इस बात का प्रमाण नहीं है कि वह शिक्षा का व्यवसायीकरण कर रहा है।हालांकि, अदालत ने निर्देश दिया कि स्कूलों द्वारा प्रस्तावित नई फीस संरचना 2027 के शैक्षणिक सत्र से ही लागू होगी। साथ ही, किसी भी स्कूल को पिछली तारीख से फीस या अन्य शुल्क वसूलने की अनुमति नहीं होगी।कोर्ट ने कहा कि यदि कोई स्कूल सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ाना चाहता है, तो उसे सत्र शुरू होने से पहले शिक्षा निदेशालय को प्रस्तावित फीस का विवरण देना होगा। लेकिन छ्रश्च्च स्कूलों के रोजमर्रा के वित्तीय कामकाज में हस्तक्षेप नहीं कर सकता और न ही उन्हें 'माइक्रो-मैनेज' कर सकता है।हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि निजी और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों की फीस तय करने के

मामलों में DoE के अधिकार सीमित हैं। केवल खातों में अधिक धनराशि होने के आधार पर किसी स्कूल पर मुनाफाखोरी का आरोप नहीं लगाया जा सकता।

अदालत ने यह भी कहा कि यदि कोई स्कूल शैक्षणिक सत्र के बीच फीस बढ़ाने का प्रस्ताव देता है, तो उसे कम से कम दो महीने पहले DoE को प्रस्ताव भेजना होगा। DoE को भी दो महीने के भीतर उस पर फैसला लेना होगा। यदि तय समय में निर्णय नहीं लिया जाता, तो प्रस्ताव को स्वत: स्वीकृत माना जाएगा।यह मामला तब सामने आया जब दिल्ली के 137 निजी स्कूलों ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर वर्ष 2016-17 से 2022-23 के बीच फीस बढ़ाने के प्रस्ताव खारिज किए जाने को चुनौती दी थी। कोर्ट ने सरकार के उन आदेशों को 'गलतफहमी पर आधारित' बताते हुए रद्द कर दिया।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन 'लैंड क्लॉज' के तहत प्राप्त करने वाले स्कूलों पर भी सत्र की शुरुआत में फीस बढ़ाने को लेकर यही नियम

चतरा में मचा कोहराम! घर के अंदर घुसा तेज रफ्तार हाइवा

चतरा (ए.)। झारखंड के चतरा जिले के टंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत मिश्रौल बाजार में तड़के सुबह करीब चार बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया। चट्टी बारियातु से कोयला लादकर सिमरिया की ओर जा रहा एक तेज रफ्तार हाइवा अचानक अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे स्थित प्रदीप तिवारी के आवासीय मकान और किराना दुकान को तोड़ते हुए अंदर जा घुसा। गनीमत यह रही कि दुर्घटना के समय उस विशेष कमरे में कोई मौजूद नहीं था और परिवार के लोग दूसरे कमरे में सो रहे थे, जिससे एक बड़ा जानी नुकसान टल गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मकान का एक बड़ा हिस्सा और किराना दुकान का स्टोर रूम पूरी तरह ध्वस्त हो गया। मलबे में दबने से दुकान में रखा लाखों रुपये का सामान, घरेलू उपकरण और कीमती फर्नीचर पूरी तरह बर्बाद हो गया।

सीएम भजनलाल शर्मा का ग्रामीणों से सीधा संवाद, समस्याओं का किया त्वरित समाधान

जयपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रतापगढ़ के बम्बोरी, सीकर के जाजोद, अजमेर के कड़ैल, जालोर के पंसेरी, जयपुर के ठिकरिया, बांसवाड़ा के चुड़ादा एवं डूंगरपुर के धम्बोला गांव में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रमों के जरिए ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। इन चौपालों में उन्होंने महिला, किसान, पशुपालक और युवाओं से बातचीत कर गांवों की वास्तविक स्थिति को जाना। साथ ही, उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री की इस जनसंवाद की अनूठी पहल से ग्रामीणों का डबल इंजन सरकार के कार्यों के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री ने सात जिलों में जाकर देर रात तक ग्रामीणों से खेती-किसानी, पशुपालन और रोजगार जैसे अनेक विषयों पर बातचीत की तथा उनकी आवश्यकताओं को समझा। उन्होंने गांव में रात्रि विश्राम के बाद सुबह-सुबह घूमकर आमजन से रामा-श्यामा की तथा सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का फीडबैक लिया। उन्होंने अधिकारियों को गांवों के विकास कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री की इस संवेदनशील कार्यशैली से गांवों के विकास को नई गति मिली है। मुख्यमंत्री से ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों ने जैविक एवं आधुनिक खेती और राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर आमदनी बढ़ाने तथा महिलाओं ने राजीविका से जुड़कर उनके जीवन में आए आर्थिक बदलाव

के अनुभव साझा किए। युवाओं ने पेपरलीक पर अंकुश लगाने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया और कहा कि प्रदेश में अब भर्ती परीक्षाएं पूर्ण पारदर्शिता से आयोजित हो रही हैं, जिससे उनका सरकारी नौकरी पाने का सपना साकार हो रहा है। संवाद में पशुपालकों ने भी मोबाइल वेटरनरी यूनिट, मंगला पशु बीमा योजना एवं दूग्ध उत्पादक संबल जैसी योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्यमंत्री ने सीकर के जाजोद गांव में खिलाड़ियों की मांग पर खण्डेला में खेल स्टेडियम खोलने की घोषणा की। उन्होंने बालिकाओं की स्कूल में विज्ञान संकाय की मांग को सुबह-सुबह आदेश जारी करवाकर पूरा किया। वहीं, प्रात: भ्रमण के दौरान एक वीरांगना की भावनात्मक अपील पर भीलवाड़ा में कार्यरत उनके पुत्र की प्रतिनियुक्ति के आदेश तत्काल प्रभाव से जारी करवाए।

कड़ैल गांव में पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत के आदेश

इसी प्रकार मुख्यमंत्री ने पुष्कर के कड़ैल गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। साथ ही, परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अतिरिक्त बस संचालन सुनिश्चित करने तथा बालिका विद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर को विभिन्न विकास कार्यों को पूरा करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने जालोर के पंसेरी गांव की चौहटा (गांव की चौपाल का मुख्य केंद्र) पर ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने ग्रामीणों की मांग पर जिला कलक्टर को विभिन्न सड़कों के उन्नयन की कार्ययोजना बनाने, खेल स्टेडियम की जमीन का चिन्हीकरण करने, एनीकट निर्माण की व्यवहार्यता रिपोर्ट बनाने, सब्जी मंडी निर्माण की कार्ययोजना बनाने एवं पशु चिकित्सालय के लिए जमीन आवंटन के कार्य को गति प्रदान करने के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने बांसवाड़ा के चुड़ादा गांव में आयोजित हुई ग्राम विकास चौपाल में राजीविका बहनों के लिए सीएलएफ कार्यशाला बनवाने एवं उत्पादों की पैकेजिंग यूनिट स्थापित करने के लिए जिला कलेक्टर को निर्देश दिए।

नीट यूजी 2026 - रिफंड पोर्टल खुला, 27 मई तक छात्र जमा कर सकेंगे बैंक डिटेल

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने 3 मई को आयोजित रद्द हुई नीट-यूजी 2026 परीक्षा में शामिल हुए उम्मीदवारों के लिए रिफंड सुविधा शुरू कर दी है। छात्र अब परीक्षा शुल्क की वापसी के लिए आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से अपने बैंक खाते का विवरण जमा कर सकते हैं। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, नीट-यूजी 2026 पंजीकरण पोर्टल पर रिफंड का विकल्प उपलब्ध करा दिया गया है। परीक्षा के लिए पंजीकृत उम्मीदवार अपने आवेदन क्रेडेंशियल का उपयोग करके लॉग इन कर सकते हैं और रिफंड प्रक्रिया पूरी करने के लिए समर्पित रिफंड लिंक पर जा सकते हैं। रिफंड प्राप्त करने के लिए आवेदकों को खाताधारक का नाम, बैंक का नाम, खाता संख्या और आईएफएससी कोड सहित आवश्यक बैंकिंग विवरण प्रदान करने होंगे। उम्मीदवारों के पास जमा की गई जानकारी की सटीकता सुनिश्चित करने के लिए रद्द किए गए चेक की स्कैन की गई प्रति अपलोड करने का विकल्प भी है। एनटीए ने स्पष्ट किया है कि एक बार बैंक विवरण जमा हो जाने के बाद, उन्हें अंतिम माना जाएगा और बाद में कोई सुधार या संशोधन की अनुमति नहीं होगी। उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि जमा करने से पहले सभी जानकारी को ध्यानपूर्वक सत्यापित कर लें। रिफंड के लिए बैंक विवरण जमा करने की अंतिम तिथि 27 मई रात 11:50 बजे तक है।

डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका की हत्या की साजिश का खुलासा, आतंकी के पास था घर का ब्लूप्रिंट

वॉशिंगटन(ए.)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहली बेटी इवांका ट्रंप की हत्या की साजिश का खुलासा हुआ है. बता दें, ईरानी सेना की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) से ट्रेनिंग पाए एक आतंकी ने इवांका ट्रंप को जान से मारने की पूरी योजना बना ली थी.

सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है.

संदिग्ध की पहचान 32 साल के मोहम्मद बाकर साद दाऊद अल-सादी के तौर पर हुई है. उसने कथित तौर पर 2020 में राष्ट्रपति ट्रंप के पिछले कार्यकाल में दिए गए अमेरिकी ड्रोन हमले का बदला लेने की कोशिश की थी, जिसमें ईरानी मिलिट्री कमांडर कासिम सुलेमानी मारे गए थे.

रिपोर्ट के मुताबिक, अल-सादी के पास इवांका ट्रंप के फ्लोरिडा घर का ब्लूप्रिंट था और उसने कथित तौर पर ऑनलाइन धमकियां पोस्ट करके अमेरिकियों को चेतावनी दी थी कि न तो तुम्हारे महल और न ही सीक्रेट सर्विस तुम्हारी रक्षा करेगी. पूर्व इराकी डिप्लोमैट एंटिफाध कंबर ने अखबार को बताया कि अल-सादी बार-बार इवांका ट्रंप को मारने की बात करता था जिस तरह उसने हमारा घर जलाया था, उसी तरह ट्रंप का घर भी जला देगा.

इराकी नागरिक को 15 मई को तुर्की में गिरफ्तार किया गया था,

जिसके बाद उसे अमेरिका भेज दिया गया. अधिकारियों का आरोप है कि उस पर यूरोप और नॉर्थ अमेरिका में 18 हमलों और हमलों की कोशिशों में शामिल होने का आरोप है, जिसमें कथित तौर पर फायरबॉम्बिंग, शूटिंग, चाकू घोंपना और यहूदी जगहों और अमेरिकी डिप्लोमैटिक जगहों को निशाना बनाकर किए गए हमले शामिल हैं.

रिपोर्ट में कहा गया कि अल-सादी ईरान के सपोर्ट वाले मिलिशिया कताइब हिज़्बुल्लाह की तरफ से काम करता था और आईआरजीसी के साथ उसके करीबी रिश्ते थे. रिसर्चर और पहले बंधक रही एलिजाबेथ त्सुर्कोव ने कहा कि संदिग्ध के सुलेमानी और बाद में उसके बाद आए इस्माइल कानी से करीबी कनेक्शन थे. जांच करने वालों का यह भी आरोप है कि अल-सादी ने देशों के बीच आने-जाने और टेरर सेल के साथ कोऑर्डिनेट करने के लिए इराकी सर्विस पासपोर्ट और एक ट्रैवल एजेंसी का इस्तेमाल कवर के तौर पर किया. अपने कथित सीक्रेट रोल के बावजूद, वह अक्सर सोशल मीडिया पर पोस्ट करता था, यूरोपियन लैंडमार्क से सेल्फी और वेपन सिस्टम वाली तस्वीरें शेयर करता था.

रिपोर्ट के अनुसार, अल-सादी को अभी ब्रुकलिन के मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में अकेले रखा गया है, क्योंकि अमेरिकी अधिकारी अपनी जांच जारी रखे हुए हैं. इस बीच, प्लानिंग की सीधी जानकारी रखने वाले सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन शुक्रवार (लोकल टाइम) को ईरान के खिलाफ मिलिट्री स्ट्राइक के एक नए राउंड की तैयारी कर रहा था. सूत्रों ने बताया कि हड़ताल पर कोई आखिरी फैसला नहीं हुआ है. कहा जा रहा है कि यूएस मिलिट्री और इंटेलिजेंस कम्युनिटी के कई सदस्यों ने संभावित हमलों की खबर के बाद मेमोरियल डे वीकेंड के अपने प्लान कैंसिल कर दिए हैं.

अमेरिका ने बदले ग्रीन कार्ड से जुड़े नियम, विवाद बढ़ने पर फिर किया सुधार

वाशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका लगातार वीजा और आव्रजन से जुड़े नियम सख्त करते जा रहा है। अब ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में ग्रीन कार्ड का सपना देख रहे लाखों लोगों को बड़ा झटका दिया है। अमेरिका में अस्थायी रूप से रह रहे लोग ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन अपने देश लौटकर ही कर सकेंगे। यानी आवेदकों को पहले अमेरिका छोड़ना होगा। हालांकि, नए नियम आते ही विवाद छिड़ गया। जिसके बाद प्रशासन ने संशोधन जारी किए हैं।

अब तक अमेरिका में रह रहे अमेरिकी नागरिकों के पति-पत्नी, बच्चे, छात्र वीजा या अस्थायी वर्क वीजा पर आए लोग एडजस्टमेंट ऑफ स्टेटस के जरिए अमेरिका के भीतर रहकर ही ग्रीन कार्ड हासिल कर सकते थे। अब ऐसा नहीं होगा। नए नियमों के मुताबिक, ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन करने वाले प्रवासियों को अमेरिका छोड़कर अपने देश वापस जाना होगा और वहीं से अमेरिकी दूतावास के जरिए आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी।

प्रशासन का कहना है कि कई लोग पर्यटक, छात्र या अस्थायी वीजा लेकर अमेरिका आते हैं और फिर उसी के जरिए ग्रीन कार्ड हासिल कर लेते है। यूएससीआईएस के प्रवक्ता जैक कहलर ने कहा, अमेरिका अब कानून की मूल भावना पर लौट रहा है। जो लोग अस्थायी वीजा पर अमेरिका आते हैं, उनकी यात्रा ग्रीन कार्ड प्रक्रिया की पहली सीढ़ी नहीं होनी चाहिए। अगर उन्हें स्थायी निवास चाहिए, तो उन्हें अपने देश लौटकर वहीं से आवेदन करना होगा।

नए नियमों की आलोचना के बाद यूएससीआईएस ने बाद में 2 अहम अपवाद पेश किए हैं- आर्थिक लाभ और राष्ट्रीय हित। यूएससीआईएस के प्रवक्ता जैक कहलर कहा कि जिन आवेदकों की अमेरिका में उपस्थिति आर्थिक मूल्य प्रदान करती है या राष्ट्रीय हित की पूर्ति करती है, उन्हें देश के भीतर से ही ग्रीन कार्ड प्रक्रिया जारी रखने की अनुमति दी जा सकती है। जबकि अन्य लोगों को व्यक्तिगत परिस्थितियों के आधार पर आवेदन के लिए कहा जा सकता है।

अमेरिकी खुफिया विभाग की डायरेक्टर तुलसी गबार्ड ने पद से दिया इस्तीफा, बताई यह बड़ी वजह

वाशिंगटन,(आरएनएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टॉप इंटेलिजेंस ऑफिसर तुलसी गबार्ड ने अपने पद नेशनल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर के पद से इस्तीफा दे दिया है. जानकारी के मुताबिक तुलसी गबार्ड ने अपने पति अब्राहम विलियम्स को सपोर्ट करने के लिए यह फैसला लिया है. बता दें, विलियम्स को एक रेयर तरह के बोन कैंसर की बीमारी का पता चला है.

सूत्रों ने इस रिपोर्ट की पुष्टि की है. रिपोर्ट के अनुसार, गबार्ड ने ओवल ऑफिस में एक मीटिंग के दौरान ट्रंप को अपने फैसले के बारे में जानकारी दी. उनका इस्तीफा 30 जून से लागू होगा. उन्होंने आगे कहा कि इस समय, मुझे पब्लिक सर्विस से दूर होकर अपने पति के साथ रहना होगा और इस लड़ाई में उनका पूरा साथ देना है.

गबार्ड ने पिछले डेढ़ साल में नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर के ऑफिस को लीड करने का मौका देने के लिए ट्रंप को धन्यवाद दिया और कहा कि वह ऑफिस छोड़ने से पहले यह पक्का करेंगी कि बदलाव आसानी से हो जाए. उन्होंने लिखा कि हमारे परिवार के लिए इस बहुत ही निजी और मुश्किल समय में आपकी समझ के लिए धन्यवाद. नेशनल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर के तौर पर अपने समय के दौरान, गबार्ड ने इंटेलिजेंस कम्युनिटी को फिर से बनाने की कोशिशें कीं, जिसमें एजेंसी का साइज कम करना और इंटेलिजेंस सिस्टम के अंदर डाइवर्सिटी, इक्विटी और इनक्लूजन प्रोग्राम को खत्म करना शामिल था.

इबोला का खौफ अमेरिका तक पहुंचा, अब ग्रीनकार्ड होल्डर की भी देश में एंट्री बैन

ग्रीनकार्ड धारकों को अमेरिका में प्रतिबंधों से मिलती है छूट, कोरोना में मिली थी

वॉशिंगटन,(ए.)। कांगो और युगांडा में फैला इबोला वायरस का खौफ अब अमेरिका में भी पहुंच गया है। अमेरिका ने उन ग्रीन कार्ड होल्डर के देश में प्रवेश पर रोक लगा दी है, जो पिछले 21 दिनों में कांगो, युगांडा और सूडान में हैं। इसके पीछे इबोला को लेकर चिंताओं का हवाला दिया गया है। इसके पहले अमेरिकी नागरिकों

और ग्रीन कार्ड धारकों को 30 दिनों के इबोला प्रतिबंध से छूट दी गई थी, लेकिन अब ग्रीन कार्ड धारकों को भी इसमें शामिल कर लिया गया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के सेंट्रल फॉर डिसीज कंट्रोल ने कहा है कि वायरस को देश में प्रवेश से रोकने के लिए ग्रीन कार्ड धारकों को भी प्रतिबंध जरुरत था। सीडीसी ने सबसे पहले सोमवार को अमेरिकी सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून के टाइटर 42 के तहत प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया था। यह कानून संघीय स्वास्थ्य अधिकारियों को महामारी फैलने से रोकने के लिए प्रवासियों को देश में प्रवेश लगाने का अधिकार देता है। ऐतिहासिक रूप से ग्रीन कार्ड धारकों को अमेरिका में प्रवेश संबंधी प्रतिबंधों से छूट मिलती है। कोविड के दौरान टाइटल 42 का आदेश उन पर लागू नहीं हुआ था। यहां तक कि राष्ट्रपति ट्रंप की कई यात्रा प्रतिबंध भी उन पर नहीं लागू हुए थे।

इबोला का खौफ अमेरिका तक पहुंचा, अब ग्रीनकार्ड होल्डर की भी देश में एंट्री बैन

ग्रीनकार्ड धारकों को अमेरिका में प्रतिबंधों से मिलती है छूट, कोरोना में मिली थी

वॉशिंगटन,(ए.)। कांगो और युगांडा में फैला इबोला वायरस का खौफ अब अमेरिका में भी पहुंच गया है। अमेरिका ने उन ग्रीन कार्ड होल्डर के देश में प्रवेश पर रोक लगा दी है, जो पिछले 21 दिनों में कांगो, युगांडा और सूडान में हैं। इसके पीछे इबोला को लेकर चिंताओं का हवाला दिया गया है। इसके पहले अमेरिकी नागरिकों और ग्रीन कार्ड धारकों को 30 दिनों के इबोला प्रतिबंध से छूट दी गई थी, लेकिन अब ग्रीन कार्ड धारकों को भी इसमें शामिल कर लिया गया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के सेंट्रल फॉर डिसीज कंट्रोल ने कहा है कि वायरस को देश में प्रवेश से रोकने के लिए ग्रीन कार्ड धारकों को भी प्रतिबंध जरुरत था। सीडीसी ने सबसे पहले सोमवार को अमेरिकी सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून के टाइटर 42 के तहत प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया था। यह कानून संघीय स्वास्थ्य अधिकारियों को महामारी फैलने से रोकने के लिए प्रवासियों को देश में प्रवेश लगाने का अधिकार देता है। ऐतिहासिक रूप से ग्रीन कार्ड धारकों को अमेरिका में प्रवेश संबंधी प्रतिबंधों से छूट मिलती है। कोविड के दौरान टाइटल 42 का आदेश उन पर लागू नहीं हुआ था। यहां तक कि राष्ट्रपति ट्रंप की कई यात्रा प्रतिबंध भी उन पर नहीं लागू हुए थे।इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कांगो में इबोला के बुंडीबुग्यो बैरिएंट के तेजी से फैलने के चलते जोखिम को ज्यादा कर दिया है। डब्ल्यूएचओ ने इसे अंतरराष्ट्रीय चिंता का आपातकाल घोषित किया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने शुक्रवार को कहा था कि यूएन की स्वास्थ्य एजेंसी ने कांगो के भीतर जोखिम के अपने आकलन को संशोधित किया है और अब यह ''बहुत उच्च'' श्रेणी में है, जिसे पहले 'उच्च' श्रेणी में माना गया था। उन्होंने बताया कि क्षेत्रीय स्तर पर इबोला संक्रमण फैलने का खतरा ज्यादा है, लेकिन फिलहाल इसके वैश्विक महामारी में तब्दील होने की आशंका कम है।

फीचर

शर्ट के कॉलर पर लगे जिद्दी दागों को साफ करने के लिए अपनाएं ये 5 सुझाव

शर्ट के कॉलर पर अक्सर पसीने और गंदगी के जिद्दी दाग लग जाते हैं, जो आसानी से नहीं हटते। इन दागों के कारण शर्ट की चमक फीकी पड़ जाती है और वह गंदी दिखने लगती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी

तरीके बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपनी शर्ट के कॉलर को नए जैसा बना सकते हैं और इन दागों को आसानी से हटा सकते हैं। ये तरीके बिना ज्यादा मेहनत के अपनाए जा सकते हैं।

बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण लगाएं

बेकिंग सोडा और नींबू का मिश्रण एक बेहतरीन घरेलू उपाय है, जिससे आप शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को आसानी से हटा सकते हैं। इसके लिए बेकिंग सोडा में नींबू का रस मिलाकर एक पेस्ट तैयार करें और उसे दाग वाली जगह पर लगाएं। कुछ मिनट बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और फिर ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग आसानी से हट जाएंगे और शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा।

सिरके और साबुन का मिश्रण आजमाएं

सिरके और साबुन का मिश्रण भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक कपड़े पर साबुन लगाएं, फिर उस पर सिरका डालें और उसे कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे ब्रश से रगड़कर पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ-सुथरा दिखेगा। यह तरीका न केवल प्रभावी है, बल्कि आपके कपड़ों को भी नया जैसा बनाए रखता है।

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड का करें इस्तेमाल

हाइड्रोजन पेरॉक्साइड एक शक्तिशाली सफाई का साधन है, जो शर्ट के कॉलर से जिद्दी दाग हटाने में मदद कर सकता है। इसके लिए कपड़े पर हाइड्रोजन पेरॉक्साइड लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें, फिर इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इससे दाग पूरी तरह हट जाएगा और शर्ट का कॉलर फिर से साफ-सुथरा दिखेगा। इस तरीके से आप अपने कपड़ों को नया जैसा बनाए रख सकते हैं।

बेकिंग सोडा और पानी का घोल बनाएं

बेकिंग सोडा और पानी का घोल बनाकर उसे दाग वाली जगह पर लगाएं और कुछ मिनट छोड़ दें। इससे दाग नरम हो जाएगा और आसानी से हट जाएगा। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इस तरीके से न केवल दाग हटेंगे, बल्कि शर्ट का कॉलर नया जैसा दिखेगा। यह तरीका बहुत ही सरल और प्रभावी है, जिसे आप आसानी से अपना सकते हैं और अपने कपड़ों को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

डिटर्जेंट और पानी का घोल लगाएं

डिटर्जेंट और पानी का घोल भी शर्ट के कॉलर पर लगे दागों को साफ करने में मदद कर सकता है। इसके लिए डिटर्जेंट को पानी में मिलाकर एक घोल तैयार करें, फिर उसे दाग वाली जगह पर लगाकर कुछ मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे हल्के हाथों से रगड़ें और ठंडे पानी से धो लें। इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी शर्ट के कॉलर को साफ-सुथरा रख सकते हैं।

शरवरी वाघ को बेहद पसंद आई पंजाब की संस्कृति, बोलीं- वहां के लोग बेहतरीन

अभिनेत्री शरवरी वाघ अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म के प्रमोशन में जुटीं शरवरी ने बताया कि उन्होंने किरदार को बेहतर तरीके से समझने के लिए अपनी मां के साथ पंजाब की यात्रा की थी। उन्हें पंजाब का कल्चर और वहां के लोग काफी पसंद आए। शरवरी ने कहा, मेरा बैकग्राउंड महाराष्ट्रीयन है। पंजाब की संस्कृति, वहां के लोगों और खाने को समझने के लिए मैं वहां जाना चाहती थी। इम्तियाज अली पंजाब के बारे में इतने प्यार से बात करते हैं कि मुझे लगा, मुझे खुद वहां जाकर सब कुछ महसूस करना चाहिए, वहां के बारे में समझना चाहिए।

उन्होंने आगे बताया, मैं इम्तियाज से पंजाब के बारे में सुनकर महसूस करती थी कि कहीं ना कहीं मुझमें कमी है, इसलिए मैं अपनी मां को साथ लेकर पंजाब चली गई। हम वहां घूमे-फिरे और पर्यटक वाली सारी चीजें कीं, खाना खाया, ऐतिहासिक जगहों पर गए और पार्टीशन म्यूजियम भी घूमे।

शरवरी ने कहा कि वे नई चीजों को हमेशा पहली बेंच पर बैठने वाले स्टूडेंट की तरह उत्साह से सीखती हैं। उन्होंने बताया, मुझे नोट्स बनाना, रिसर्च करना और नई चीजें जानना बहुत पसंद है। पंजाब जाने से पहले मैंने इम्तियाज से कहा भी था कि मुझे स्क्रिप्ट पढ़ने से पहले वहां जाना है।अभिनेत्री ने पंजाब के लोगों की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, मैंने वहां सब कुछ बिना किसी रिसर्च प्रेशर के किया। बस इसलिए कि मुझे उस जगह से प्यार हो जाए और सच में मुझे पंजाब से प्यार हो गया। मुझे लगता है कि पंजाब के लोग दुनिया के सबसे अच्छे लोगों में शामिल हैं।

अंतरात्मा की आवाज पर चुना लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाला किरदार : सान्विका

वेब सीरीज पंचायत में रिंकी का मासूम किरदार निभाने के बाद अभिनेत्री सान्विका अब आगामी वेब सीरीज लुटेरी दुल्हन में ग्रे शेड वाले किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री इसमें माया के किरदार में एक शातिर ठग की भूमिका निभा रही हैं, जो रईस लड़कों को प्यार के जाल में फंसाकर उनसे शादी करती है और फिर नकदी व गहने लेकर फरार हो जाती है। अपने किरदार के बारे में अभिनेत्री ने बताया कि उनके लिए सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि मेकर्स ने इस रोल के लिए उन्हें चुना। अभिनेत्री ने कहा, शुरुआत में तो मैं खुद सोच में पड़ गई थी कि क्या मैं पर्दे पर ऐसी शातिर ठग का किरदार निभा पाऊंगी, लेकिन मुझे खुशी है कि मेकर्स ने मुझ पर पूरा भरोसा किया। अभिनेत्री से पंचायत में दर्शकों ने आपको एक मासूम लड़की के तौर पर देखा था। क्या माया जैसा ग्रे किरदार चुनना आपके लिए एक जोखिम था ?इस सवाल के जवाब में सान्विका ने कहा, मैं इसे जोखिम बिल्कुल भी नहीं मानती, क्योंकि मैं किसी भी प्रोजेक्ट को चुनते समय अपने दिल की आवाज पर भरोसा करती हूं। जब मैंने पहली बार इस शो का छोटा-सा सारांश सुना था, तभी मैं इस किरदार को निभाने के लिए रोमांचित हो उठी थी। यह रोल मेरे लिए पहले निभाए गए किरदारों से बिल्कुल अलग है। एक कलाकार के तौर पर अपने अभिनय की विविधता दिखाने के ऐसे मौके बहुत कम मिलते हैं।सान्विका ने आगे बताया कि जहां आज के समय में ज्यादातर क्राइम शोज गंभीर, डार्क और तनावपूर्ण होते हैं,

वहीं लुटेरी दुल्हन थोड़ी अलग है। उन्होंने कहा, हमारी सीरीज अपराध के इर्द-गिर्द बुनी गई होने के बावजूद काफी हल्की-फुल्की और मनोरंजक है।अभिनेत्री का कहना है कि यह एक महिला केंद्रित कहानी है। आमतौर पर भारतीय सिनेमा और शोज में पुरुष अपराधियों और पुरुष पुलिस अधिकारियों के बीच की जंग दिखाई जाती है, लेकिन इस सीरीज में दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा, इस सीरीज में अनोखा ट्विस्ट यह है कि चोरी करने वाली अपराधी भी एक महिला है और उसका पीछा करने वाली पुलिस अधिकारी भी महिला ही है।

पर्याप्त पानी पीने के बावजूद शरीर हो सकता है डिहाइड्रेट, जानें इसके 5 संकेत

डिहाइड्रेशन तब होता है जब शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है। यह आमतौर पर गर्म मौसम, शारीरिक मेहनत या अधिक शराब पीने से होता है। कई लोग यह सोचते हैं कि पर्याप्त पानी पीने से वे डिहाइड्रेशन से बच सकते हैं, लेकिन यह हमेशा सही नहीं होता। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे संकेत बताएंगे, जो यह दर्शाते हैं कि आप पर्याप्त पानी पीने के बाद भी डिहाइड्रेशन का शिकार हो गए हैं।

मुंह का सूखापन या थकान होना

अगर आपको अक्सर मुंह का सूखापन या थकान महसूस होती है तो यह डिहाइड्रेशन का संकेत हो सकता है, भले ही आप पर्याप्त पानी पी रहे हों। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप इलेक्ट्रोलाइट्स वाले पेय का सेवन कर सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रख सकते हैं। इसके अलावा फल और सब्जियों का सेवन भी फायदेमंद हो सकता है।

पेशाब का रंग गहरा होना

पेशाब का रंग गहरा होना भी डिहाइड्रेशन का एक मुख्य संकेत हो सकता है। अगर आपका पेशाब हल्का पीला या सफेद नहीं है तो इसका मतलब है कि

आपका शरीर पर्याप्त पानी नहीं ले रहा है। इस स्थिति में आपको तुरंत अधिक पानी पीना चाहिए, ताकि आपका शरीर पानी से भरपूर रह सके। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रखने में मदद करेगा।

सिरदर्द होना

अगर आपको बिना किसी कारण के सिरदर्द होता है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक संकेत हो सकता है। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप ठंडे पानी का सेवन कर सकते हैं, जो आपके दिमाग को ठंडक देगा और दर्द को कम करेगा। इसके अलावा आप ठंडे पेय पदार्थों का सेवन भी कर सकते हैं, जो आपको पानी से भरपूर रखेंगे और सिरदर्द को दूर करेंगे।

थकान महसूस होना

अगर आपको लगातार थकान महसूस हो रही है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक मुख्य संकेत हो सकता है। यह समस्या विशेष रूप से गर्म मौसम में या शारीरिक मेहनत के बाद होती है। इसके लिए आप ठंडे पानी का सेवन कर सकते हैं, जो आपके शरीर को ताजगी देगा और थकान को कम करेगा। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपके शरीर को पानी से भरपूर रखेगा।

त्वचा का रूखा होना

अगर आपकी त्वचा सूखी और बेजान लग रही है तो यह भी डिहाइड्रेशन का एक संकेत हो सकता है। इसके लिए आप नियमित रूप से पानी पिएं, ताकि आपकी त्वचा में नमी बनी रहे और वह स्वस्थ दिखे। इसके अलावा आप नारियल पानी या फलों का रस भी ले सकते हैं, जो आपकी त्वचा को पानी से भरपूर रखेगा और उसे ताजगी देगा। इन सभी तरीकों से आप अपने शरीर को पानी से भरपूर रख सकते हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बरगद के पेड़ के नीचे लगाई चौपाल, सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

कमरौद में ग्रामीणों से आत्मीय संवाद, योजनाओं की जमीनी स्थिति का लिया फीडबैक

रायपुर,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज सुशासन तिहार-2026 के अंतर्गत महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा स्थित ग्राम कमरौद पहुंचकर विशाल बरगद के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई और ग्रामीणों से सीधे संवाद कर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी ली। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने मां दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

बरगद के पेड़ की छांव में आयोजित चौपाल में मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से आत्मीय संवाद करते हुए कहा कि सरकार गांव-गांव पहुंचकर यह सुनिश्चित कर रही है कि लोगों को राशन, बिजली, प्रधानमंत्री आवास, महतारी वंदन योजना सहित अन्य योजनाओं का लाभ सही तरीके से मिल रहा है या नहीं। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाकर समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि वे अब तक प्रदेश के 16 जिलों का दौरा कर लोगों से सीधे संवाद कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री ने महिलाओं से महतारी वंदन योजना की जानकारी ली, जिस पर महिलाओं ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से राशि मिल रही है। ग्राम की देव कुमारी साहू ने बताया कि वह योजना से मिलने वाली राशि अपनी बेटी के भविष्य के लिए बचा रही हैं।

चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री ने पांचवीं कक्षा के छात्र पूर्वांश साहू से मुस्कुराते हुए पूछा—सेल्फी लेंगे क्या? जिसके बाद छात्र ने उत्साहपूर्वक मुख्यमंत्री के साथ सेल्फी ली।यह आत्मीय क्षण चौपाल का विशेष आकर्षण बना।मुख्यमंत्री ने बिजली बिल समाधान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा पंचायत स्तर पर संचालित अटल डिजिटल सेवा केंद्रों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश में 18 लाख प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत किए जा चुके हैं और अतिरिक्त 10 लाख आवासों का निर्माण भी प्रारंभ हो गया है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर नागरिक सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए अब तक लगभग 6000 अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार शीघ्र ही ऑनलाइन शिकायत समाधान व्यवस्था शुरू करने जा रही है, जिसके माध्यम से नागरिक घर बैठे मोबाइल फोन से अपनी समस्याएं दर्ज कर सकेंगे।

छत्तीसगढ़ के लाल अनीमेश कुजुर ने रचा इतिहास, 100 मीटर दौड़ में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रायपुर, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के प्रतिभाशाली युवा एथलीट अनीमेश कुजुर ने रांची में आयोजित नेशनल फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में 10.15 सेकेंड का नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे प्रदेश में हर्ष और गौरव का वातावरण है। अनीमेश कुजुर की इस ऐतिहासिक सफलता पर छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि अनीमेश ने अपनी मेहनत, अनुशासन और समर्पण से न केवल नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया है, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवा खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर छत्तीसगढ़ की नई पहचान बना रहे हैं। श्री चौधरी ने कहा कि अनीमेश कुजुर की यह उपलब्धि राज्य के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है और यह सिद्ध करती है कि प्रतिभा एवं निरंतर प्रयास के बल पर कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

टेकारी में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में 1201 आवेदनों का हुआ त्वरित निराकरण

रायपुर, (आरएनएस)। आमजनों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार 2026 के तहत विकासखंड अभनपुर के ग्राम पंचायत टेकारी में जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधायक अभनपुर इन्द्रकुमार साहू, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एसडीएम रवि सिंह एवं जनपद सीईओ दीपक ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिविर में मनरेगा अंतर्गत जॉब कार्ड निर्माण, श्रम कार्ड एवं नवीनीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, आयुष्मान कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, आवास हितग्राहियों को आवास की चाबी वितरण जैसे कार्य किए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अन्नप्राशन एवं गोदभराई कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। वहीं समाज कल्याण विभाग द्वारा दिव्यांग हितग्राहियों को साइकिल एवं ट्राईसाइकिल वितरित की गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार भाजपा बूथ अध्यक्ष की मौत

अंबिकापुर,(आरएनएस)। सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-43 पर शुक्रवार देर रात तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। शांतिपारा मुख्य मार्ग में एक अज्ञात वाहन ने भाजपा बूथ अध्यक्ष को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भयावह था कि वाहन चालक घायल को करीब 20 मीटर तक घसीटते हुए फरार हो गया।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही 112 बतौली की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल भाजपा बूथ अध्यक्ष को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बतौली पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों ने लगातार बढ़ रही तेज रफ्तार वाहनों की समस्या और यातायात नियमों की अनदेखी पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि एनएच-43 पर आए दिन तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हादसे बढ़ते जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और फरार अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

भीषण गर्मी से लोग हुए परेशान, अस्पतालों में लगी मरीजों की कतार

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी में इन दिनों भीषण गर्मी के चलते जहां तापमान में 44-45 डिग्री वृद्धि होने से सुबह से ही लोग तप ना शुरू हो जाते है वहीं कामकाजी लोग विद्यार्थी आदि सुबह 10 बजे 11 बजे भीषण गर्मी में तपती जेठ की सुबह में अपने अपने गंतव्य स्थानों के लिए रवाना हो जाते है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों के लिए हीट वेव अलर्ट जारी किया है। इसके बाद भी कामकाज की मजबूरी के चलते लोगों को घर से निकलना पड़ता है। भीषण गर्मी पड़ने के कारण मेकाहारा जिला अस्पताल एम्स हास्पिटल एवं ग्रामीण क्षेत्र के सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में इन दिनों सिर में चक्कर बुखार, उल्टी दस्त एवं अन्य गर्मी जनित बीमारियों के कारण मरीजों की लगातार कतार देखी जा रही है। चिकित्सकों ने आम लोगों से भीषण गर्मी को देखते हुए सुबह सिर में गर्म कपड़ा जेब में प्याज एवं ठंडे पानी की बोतल लेकर घर से निकलने की अपील की है। वहीं स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार डायरिया उल्टी दस्त बुखार ब्लड प्रेशर, शुगर आदि के मरीजों के लिए आवश्यक दवाईयां चिकित्सालयों में उपलब्ध करा दी गई है। मेकाहारा में एवं जिला अस्पताल में स्थिति ये है कि बेड फूल होने के कारण मरीजों को बाहर बरामदों में लेटाकर भर्तीकर ईलाज किया जा रहा है। वहीं मरीजों को ग्लूकॉन डी, ग्लूकोज एवं ओआरएस की घोल घरों में रखने की सलाह दी गई है। आने वाले समय में नौतपा 25 मई से शुरू हो रहा है इस दौरान तापमान मौसम विभाग के अनुसार 46 से 47 डिसी होने की संभावना है।

किसान के मक्का खेत में लगी भीषण आग, 6 एकड़ फसल जलकर खाक

रायपुर, (आरएनएस)। पखांजूर क्षेत्र के पीवी-43 गांव में किसान के मक्का खेत में भीषण आग लगने से भारी नुकसान हो गया। आग की चपेट में आने से करीब 6 एकड़ में लगी पकी हुई मक्का की फसल पूरी तरह जलकर खाक हो गई।

जानकारी के अनुसार किसान नानटू मिर्धा की खेत में तैयार खड़ी मक्का फसल अचानक आग की लपटों में घिर गई। देखते ही देखते आग ने पूरे खेत को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे लाखों रुपये की फसल नष्ट हो गई। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। इस हादसे से किसान नानटू मिर्धा को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। मामले की सूचना स्थानीय प्रशासन को दे दी गई है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

90 वर्षीय सास को पीठ पर ढोकर बैंक पहुंचती है बहू, पेंशन के लिए हर महीने 9 किमी का संघर्ष

सरगुजा, (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मैनपाट क्षेत्र से एक मार्मिक तस्वीर सामने आई है, जिसने ग्रामीण इलाकों में बुजुर्गों को मिलने वाली सुविधाओं और व्यवस्था की हकीकत को उजागर कर दिया है। यहां एक महिला अपनी 90 वर्षीय सास को पीठ पर उठाकर कई किलोमीटर दूर बैंक ले जाने को मजबूर है, ताकि उन्हें पेंशन की राशि मिल सके।जानकारी के अनुसार मैनपाट विकासखंड के ग्राम कुनिया स्थित जंगलपारा निवासी सुखमनिया बाई अपनी वृद्ध सास को हर महीने करीब 9 किलोमीटर पैदल सफर कर चकर नर्मदापुर स्थित सेंट्रल बैंक तक लेकर जाती हैं। बैंक में पेंशन प्राप्त करने के लिए लाभार्थी की उपस्थिति आवश्यक होने के कारण यह कठिन यात्रा उनकी मजबूरी बन गई है।ग्रामीणों ने बताया कि बैंक तक पहुंचने के लिए नदी-नालों और दुर्गम रास्तों को पार करना पड़ता है। वृद्धावस्था और शारीरिक कमजोरी के चलते बुजुर्ग महिला स्वयं चलने-फिरने में असमर्थ हैं, इसलिए उनकी बहू उन्हें पीठ पर बैठाकर बैंक तक ले जाती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले पेंशन की राशि गांव में ही उपलब्ध हो जाती थी, जिससे बुजुर्गों को परेशानी नहीं होती थी। लेकिन अब बैंक में उपस्थित होकर राशि प्राप्त करने की व्यवस्था के कारण दूरस्थ क्षेत्रों के वृद्धजनों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कबाड़ कारोबारियों पर पुलिस का बड़ा शिकंजा, 40 गोदाम सील

बिलासपुर(आरएनएस)। जिले में अवैध कबाड़ कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कबाड़ कारोबारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। एसएसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिलेभर में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए अब तक 40 कबाड़ गोदामों को सील किया गया है।पुलिस द्वारा 49 कबाड़ियों की जांच की गई, जिनमें कई कारोबार संदिग्ध पाए गए। कार्रवाई के दौरान मस्तूरी क्षेत्र में कबाड़ से भरी एक गाड़ी भी जप्त की गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। इस अभियान के तहत 18 कबाड़ियों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस को आशंका है कि कई कबाड़ी चोरी का सामान खरीदने और बेचने के नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक चोरी के माल की खरीद-फरोख्त करने वालों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और जांच के आधार पर आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

खेल समाचार

विराट कोहली ने बहस के बाद हेड से नहीं मिलाया हाथ, खड़ा हुआ विवाद

नईदिल्ली (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 67वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 55 रन से हराते हुए अपनी 9वीं जीत दर्ज की। इस मुकाबले में विराट कोहली और ट्रेविस हेड के बीच तीखी बहस हुई। यह घटना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के 256 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान घटी। कहासुनी के बाद कोहली ने मैच खत्म होने पर हेड से हाथ मिलाने से इनकार कर दिया, जिससे खेल भावना पर सवाल उठने लगे हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की पारी के दौरान कोहली और हेड के बीच मैदान पर कहासुनी बढ़ गई। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज की टिप्पणी के बाद कोहली ने उनसे कहा, ठीक है, यहां आओ और कुछ गेंदें फेंको। जब कोहली 11 गेंदों में 15 रन रन बनाकर आउट हो गए, तो हेड ने पलटवार करते हुए कहा, दोस्त, तुम तो मेरे गेंदबाजी करने आने से पहले ही आउट हो गए। इसके बाद पूर्व भारतीय कप्तान का गुस्सा और भी ज्यादा भड़क उठा।

आईपीएल 2026: हारकर भी आरसीबी को हुआ फायदा, फाइनल में पहुंचने के लिए मिलेंगे दो चांस

नईदिल्ली, (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 67 वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 55 रनों से हरा दिया. हैदराबाद ने 4 विकेट के नुकसान पर 255 रन बनाए, जवाब आरसीबी 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी।

आरसीबी इस मैच को हार के भी अपना पहला स्थान बचाने में सफल रही, जिसकी वजह से अब उनको फाइनल में पहुंचने के लिए दो-दो चांस मिलेंगे. क्योंकि टॉप की दो टीमों के बीच पहला क्वालीफायर मैच खेला जाएगा और जीतने वाली टीम सीधा फाइनल में पहुंच जाएगी।

लेकिन हारने वाली टीम को एक और चांस मिलेगा, जब वो एलिमिनेटर की विजेता टीम से क्वालीफायर-2 में भिड़ेगी. एलिमिनेटर तीसरे और चौथे नंबर की टीम के बीच खेला जाएगा. इसमें हारने वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी जबकि जीतने वाली टीम क्वालीफायर-1 की हारने वाली टीम से क्वालीफायर-2 में भिड़ेगी।

आईपीएल 2026 का पहला क्वालीफायर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा. क्योंकि अंक तालिका में आरसीबी, गुजरात और हैदराबाद के 18-18 पॉइंट्स हैं. लेकिन नेट रन रेट में आरसीबी (+0.783) सबसे आगे है, इसलिए वो पहले स्थान पर है उसके बाद गुजरात (+0.695) का रन रेट हैदराबाद (+0.524) से बेहतर है. इसलिए वो दूसरे स्थान पर है. पहला क्वालीफायर 26 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा।

अभी तक टूर्नामेंट के एलिमिनेटर मैच का फिक्सचर सामने नहीं आ सका है, क्योंकि प्लेऑफ की चौथी टीम अभी तक कंफर्म नहीं हो सकी है. इस स्थान के लिए अभी तक चार टीमें-पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और केकेआर-लड़ाई में बनी हुई है. इन ही चारों में से किसी एक खिलाफ हैदराबाद एलिमिनेटर मैच खेलेगी. जो की 27 मई को खेला जाएगा।

इसके बाद क्वालीफायर-2 में एलिमिनेटर की विजेता टीम और क्वालीफायर-1 हारने वाली टीम 29 मई को न्यू चंडीगढ़ में आमने सामने होंगी. टूर्नामेंट का फाइनल मैच 31 मई को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

प्लेऑफ की उम्मीद बचाने उतरेगी केकेआर और दिल्ली, जीत के अलावा कोई विकल्प नहीं

नई दिल्ली(आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लीग चरण का आखिरी मुकाबला रविवार को कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा रहने वाला है, क्योंकि प्लेऑफ की धुंधली उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत जरूरी है। हालांकि यह भी संभव है कि मैच शुरू होने से पहले ही दोनों में से किसी एक टीम की उम्मीद पूरी तरह खत्म हो जाए। अंक तालिका में फिलहाल कोलकाता नाइट राइडर्स छठे स्थान पर है, जबकि दिल्ली कैपिटल्स आठवें नंबर पर मौजूद है। दोनों टीमें अभी भी गणितीय रूप से प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई हैं, लेकिन उनकी राह बेहद मुश्किल नजर आ रही है। प्लेऑफ की चौथी सीट के लिए सबसे मजबूत दावेदार पंजाब किंग्स मानी जा रही है, जिसका मुकाबला शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स से होना है। यदि पंजाब यह मैच जीत जाती है तो उसके 15 अंक हो जाएंगे और दिल्ली की उम्मीदें वहीं खत्म हो जाएंगी, क्योंकि वह अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकती है।

कोलकाता नाइट राइडर्स के पास अभी 13 अंक हैं और वह दिल्ली को हराकर 15 अंकों तक पहुंच सकती है। लेकिन सिर्फ जीत काफी नहीं होगी। पंजाब किंग्स का नेट रन रेट कोलकाता से काफी बेहतर है। ऐसे में अगर पंजाब लखनऊ को मामूली अंतर से भी हरा देती है, तो कोलकाता को दिल्ली के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी पड़ेगी। आंकड़ों के अनुसार पंजाब की एक रन की जीत की स्थिति में कोलकाता को दिल्ली को कम से कम 52 रन से हराना होगा। इसके साथ ही उसे राजस्थान रॉयल्स की हार की भी उम्मीद करनी होगी। राजस्थान के 14 अंक हैं और मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत उसे सीधे प्लेऑफ में पहुंचा सकती है। कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस सीजन की खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की है। टीम ने अपने पिछले सात मुकाबलों में से छह में जीत दर्ज कर खुद को प्लेऑफ की दौड़ में बनाए रखा। शुरुआती दौर में टीम को अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों की अनुपस्थिति का खामियाजा भुगतना पड़ा था। मुस्तफिजुर रहमान, हर्षित राणा, आकाश दीप और मथीशा पथिराना अलग-अलग कारणों से कई मुकाबलों में नहीं खेल सके। वहीं चोट से वापसी कर रहे कैमरन ग्रीन भी शुरुआती मैचों में गेंदबाजी नहीं कर पाए थे।

हालांकि टीम को इस अहम मुकाबले में अपने सबसे सफल बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी की कमी खलेगी। उन्होंने इस सीजन में पांच अर्धशतकों की मदद से 422 रन बनाए हैं। इसके अलावा स्टार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती भी चोट से जूझ रहे हैं और टीम प्रबंधन परिस्थितियों के अनुसार उनके खेलने पर फैसला करेगा। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स ने पूरे सीजन में कई अहम मौके गंवाए, जिसका असर उसकी स्थिति पर पड़ा। टीम की बल्लेबाजी काफी हद तक केएल राहुल पर निर्भर रही है।

सीएसके मैनेजमेंट पर भड़के कृष्णमाचारी श्रीकांत

बोले - धोनी को लेकर फैंस से झूठ बोला गया

नई दिल्ली (ए.)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज और 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य कृष्णमाचारी श्रीकांत ने चेन्नई सुपर किंग्स प्रबंधन पर महेंद्र सिंह धोनी की फिटनेस को लेकर फैंस को गुमराह करने का गंभीर आरोप लगाया है। श्रीकांत ने कहा कि पूरी आईपीएल 2026 सीजन के दौरान फ्रेंचाइजी, कप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने लगातार ऐसे संकेत दिए कि धोनी जल्द मैदान पर वापसी करेंगे, लेकिन आखिर तक ऐसा नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर एमएस धोनी स्कैम ट्रेंड होने के बाद यह मामला और गरमा गया। पूर्व आईपीएल खिलाड़ी अनिरुद्ध श्रीकांत ने भी अपने शो में फैंस की नाराजगी को उठाया, जिसके बाद कृष्णमाचारी श्रीकांत ने खुलकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स ने बार-बार धोनी के अभ्यास के वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर यह संदेश देने की कोशिश की कि वह फिट हैं और अगले मैच में खेल सकते हैं।अपने यूट्यूब चैनल पर श्रीकांत ने कहा कि सीजन शुरू होने से पहले टीम की ओर से बताया गया कि धोनी को पैर में चोट है और वह जल्द वापसी कर सकते हैं।

वनडे वर्ल्ड कप की तैयारी में जुटी पाकिस्तानी टीम, मगर सता रहा इस बात का डर

नई दिल्ली (आरएनएस)। पाकिस्तानी हेड कोच माइक हेसन ने कहा है कि उनकी टीम का पूरा फोकस आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2027 से पहले एक ज्यादा मजबूत और संतुलित टीम बनाने पर है। पुरुषों का वनडे वर्ल्ड कप अगले साल अक्टूबर-नवंबर के बीच खेला जाना है। हालांकि, हेसन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज को लेकर थोड़े चिंतित जरूर हैं। पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच 30 मई से तीन वनडे मुकाबलों की सीरीज खेली जानी है। जैसे-जैसे पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ अपनी घरेलू वनडे सीरीज की तैयारी कर रहा है, हेसन ने स्पष्ट कर दिया कि आने वाले महीनों में खिलाड़ियों के चयन की रणनीति सिर्फ जाने-पहचाने नामों पर निर्भर रहने के बजाय खिलाड़ियों के पूल को बढ़ाने पर केंद्रित होगी।हेसन ने पीसीबी के पॉडकास्ट पर कहा, मुझे लगता है कि वनडे क्रिकेट में, वर्ल्ड कप को मद्देनजर रखते हुए हमें अपने खिलाड़ियों के ग्रुप को बड़ा करना होगा। इसलिए, हमेशा उन्हीं खिलाड़ियों को चुनने के बजाय, वनडे टीम अभी भी बन रही है। ऐसे कई क्षेत्र हैं, जिन्हें हमें बेहतर बनाने की जरूरत है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि डेढ़ साल बाद जब वर्ल्ड कप आए, तो हमारे पास सच में सबसे अच्छी टीम हो। वनडे वर्ल्ड कप को लेकर पाकिस्तान की तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं। हेसन और उनके सपोर्ट स्टाफ ने 'व्हाइट-बॉल' ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया है, जिसका उद्देश्य टीम के उभरते हुए खिलाड़ियों और सीनियर सदस्यों, दोनों का आकलन करना है।

पाकिस्तानी हेड कोच ने कहा, पिछले दो हफ्ते कुछ नई प्रतिभाओं को पहचानने, उन्हें मौजूदा खिलाड़ियों के सामने चुनौती देने, और कमियों का पता लगाने के लिए अच्छे रहे हैं, क्योंकि इनमें से कुछ युवा खिलाड़ी काफी होनहार हैं, लेकिन उन्हें अभी भी कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज पाकिस्तान की 16-सदस्यीय वनडे टीम में शामिल कई युवा खिलाड़ियों के लिए एक अहम 'टेस्टिंग ग्राउंड' का काम करेगी, खासकर तब जब टीम के कुछ मुख्य बल्लेबाज उपलब्ध नहीं हैं।

माइक हेसन ने कहा, फखर जमान, सईम अयूब और उस्मान खान जैसे खिलाड़ियों के टीम से बाहर होने की वजह से, हमें कुछ युवा खिलाड़ियों को आजमाने का मौका मिला है, खासकर बल्लेबाजी के क्षेत्र में। हेड कोच का मानना है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम इस साल की शुरुआत में पाकिस्तान के हाथों 0-3 से टी20 सीरीज में मिली करारी हार के बाद, इस बार पूरे जोश के साथ आएगी। उन्होंने कहा, पाकिस्तान का सामना ऑस्ट्रेलिया की ऐसी टीम से होगा, जो पिछली बार यहां अपने प्रदर्शन से काफी निराश और आहत थी। छोटे फॉर्मेट में ऑस्ट्रेलिया को मिली हार के बावजूद, हेसन का मानना है कि वनडे क्रिकेट अभी भी उनका सबसे मजबूत पक्ष है। हेसन ने कहा, उनकी टीम काफी मजबूत दिख रही है और वे यहां खेलने आ रहे हैं। इस समय वनडे क्रिकेट शायद उनका सबसे मजबूत फॉर्मेट है। उनकी वनडे टीम निश्चित रूप से इस समय उनकी टी20 टीम से बेहतर है। टीम में कई युवा खिलाड़ियों को शामिल किए जाने के बाद हेसन ने फैंस से धैर्य रखने की अपील की है, ताकि नई पीढ़ी के खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के माहौल में खुद को ढाल सकें। उन्होंने कहा, इन युवा खिलाड़ियों के साथ थोड़ा धैर्य रखने की जरूरत है।

कल से लगेगा नौतपा दो दिन पूर्व से ही बढ़ने लगी तेज तपन

43 के करीब पहुंचा पारा, 44-45 तक पहुंचने की संभावना, पचमढ़ी में रात भी हो रही गर्म

नर्मदापुरम(निप्र)। नौतपा लगने से दो दिन पूर्व ही गर्मी ने अपना पूरा असर दिखाना शुरू कर दिया है। अधिकतम तापमान 42-43 के बीच में चल रहा है। लेकिन गर्मी उससे भी कहीं ज्यादा है। वहीं न्यूतम तापमान 30 डिग्री तक पहुंचने की संभावना बताई जा रही है। इन दिनों सुबह से ही सूर्यदेव अपना रोद्र रूप दिखा रहे है। इस बार दो ज्येष्ठ हैं जिसमें से आधा ज्येष्ठ माह बीता है। अभी पूरा एक पखवाड़ा तेज गर्मी के असर का रहेगा। उसके बाद भी ज्येष्ठ माह रहेगा। दिन में तपन बढ़ने के साथ ही रातें भी गर्म होने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार पचमढ़ी में भी गर्मी का असर तेज हो रहा है। वहां पर रात भी गर्म हो रही हैं। बादल छा जाने पर गर्मी का असर कुछ कम हो जाता हैं। दूसरे दिन फिर तेज असर हो जाता है। आसमान साफ होते ही गर्मी बढ़ जाती है। इस गर्मी के बढ़ते असर के साथ ही मौसमी बीमारी भी बड़ने लगी हैं। सुबह होते ही तेज गर्म हवाएं चलने लगती है। दोपहर में तेज तपन लोगों को हाल बेहाल करने लगी है। शाम को भी गर्म लू चल रही है। जिससे लोगों की बेचेनी बढ़ रही है। दोपहर में घर से निकलना मुश्किल हो रहा है। इस मौसम का असर बच्चों और बुजुर्गों पर ज्यादा हो रहा है। डाक्टर एसके पुरोहित ने बताया कि इस मौसम में बासा भोजन स्वास्थ्य के लिए कॉफी हानिकारक हो सकता है। साथ ही साफ स्वच्छ पानी ही सेवन करें। बच्चों और बुजुर्ग का विशेष ध्यान रखा जाए। पानी का सेवन ज्यादा से ज्यादा किया जाए।

परमात्मा प्रेम से ही प्राप्त होते हैं : पंडित योगेश शर्मा

रामजानकी मंदिर ग्राम दतवासा में जारी है श्रीमद् भागवत पुराण

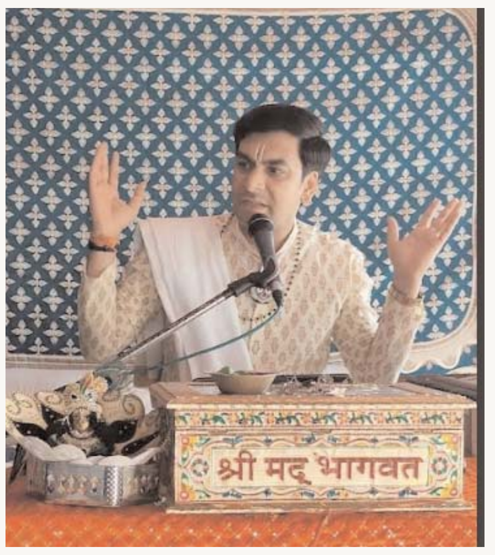

नर्मदापुरम। डोलरिया (निप्र)। प्रेम के बिना परमात्मा की प्राप्ति संभव नहीं। जिसने भी भगवान को प्राप्त किया है प्रेम के वशीभूत ही भगवान मिले हैं। प्रेम के वशीभूत भगवान विदुर के यहां केले के छिलके भी खा लेते हैं परंतु प्रेम नहीं तो दुर्योधन के मेवा मिष्ठान भी त्याग देते हैं उक्त उद्गार पंडित योगेश शर्मा ने रामजानकी मंदिर ग्राम दतवासा में आयोजित श्रीमद् भागवत पुराण में द्वितीय दिवस की कथा में व्यक्त किया। कथा का विस्तार करते हुए पंडित योगेश शर्मा ने बताया युद्ध हारने और जीतने वाले दोनों के लिए ही घातक होता है दो राष्ट्र आपस में लड़ते हैं एक जीतता है दूसरा हारता है। हारा हुआ तो हारा ही है लेकिन जीता हुआ भी हारा ही है क्योंकि विनाश के कगार पर खड़ा होकर कोई भी राष्ट्र अपना समुचित विकास नहीं कर सकता महाभारत युद्ध महाराज युधिष्ठिर ने जीता परंतु जीत के बाद भी पश्चाताप कर रहे हैं उन्हें उस समय बड़ा दुख होता था जब वे उन विधवाओं को देखते थे जिनका यौवन भी नहीं आया और उनके पति युद्ध में शहीद हो गए तब भगवान उन्हें भीष्म पितामह से उपदेश दिलाने उनके पास लेकर गए जीवन जब बोझ बन जाए तो संत या सदग्रंथ की शरण दशा और दिशा दोनों बदल देती है। सैकड़ों की संख्या में श्रोता उपस्थित होकर कथा का लाभी ले रहे है।

भारतीय डाक विभाग नर्मदापुरम द्वारा विशेष अभियान-आधार 25-26 मई को

आधार नामांकन एवं अपडेट सेवाओं हेतु विशेष अभियान का लाभ ले सकते हैं

नर्मदापुरम(निप्र)। भारतीय डाक विभाग नर्मदापुरम संभाग द्वारा आधार नामांकन एवं अपडेट सेवाओं हेतु विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नागरिकों को नया आधार नामांकन आधार में संशोधन बायोमेट्रिक अपडेट मोबाइल नंबर एवं ई.मेल लिंकिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रवर अधीक्षक डाकघर नर्मदापुरम संभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह विशेष अभियान 25 मई 2026 एवं 26 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान सभी आधार केंद्र प्रात: 08 बजे से सायं 06 बजे तक कार्य करेंगे जबकि प्रधान डाकघरों में सेवाएं सायं 08 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने नजदीकी डाकघर आधार केंद्र में पहुंचकर इस सुविधा का लाभ उठाएं।नर्मदापुरम संभाग अंतर्गत निम्न डाकघर आधार केंद्रों में विशेष अभियान संचालित किया जाएगा नर्मदापुरम प्रधान डाकघर नरसिंहपुर प्रधान डाकघर पचमढ़ी उप डाकघर पचमढ़ी कैंट उप डाकघर करेली उप डाकघर गाडरवारा उप डाकघर बनखेड़ी उप डाकघर नर्मदापुरम सिटी उप डाकघर गोटेगांव उप डाकघर पिपरिया उप डाकघर हरदा उप डाकघर करकबेल उप डाकघर टिमरनी उप डाकघर एसण्सी रोड उप डाकघर सिवनी मालवा उप डाकघर इटारसी एमडीजी उप डाकघर सोहागपुर उप डाकघर साईं खेड़ा उप डाकघर खिरकिया उप डाकघर माखन नगर उप डाकघर ओएफई इटारसी उप डाकघर एनवाईसी इटारसी उप डाकघर सिराली उप डाकघर जी गाडरवारा उप डाकघर एसण्पी मिल्स उप डाकघर समस्त नागरिकों से अनुरोध है कि उक्त विशेष अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

फिट इंडिया मूवमेंट आज सुबह सजेगी संडे ऑन साइकिल्य की रैली

हॉकी मप्र के आह्वान पर गांधी प्रतिमा से होगा आगाज

इटारसी। नर्मदापुरम(निप्र)। खेल और फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए देशव्यापी फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत 24 मई रविवार को इटारसी में एक साइकिल रैली का आयोजन किया जा रहा है। हॉकी इंडिया और हॉकी मप्र के निर्देशानुसार हॉकी नर्मदापुरम इटारसी द्वारा इस संडे ऑन साइकिल्य के विशेष 75 वें संस्करण का आयोजन किया जा रहा है। यह गरिमामय आयोजन कल सुबह ठीक 8 बजे शहर के मुख्य केंद्र गांधी प्रतिमा से प्रारंभ होगा।

यह रहेगा साइकिल रैली का रूट

हॉकी नर्मदापुरम के पदाधिकारियों ने बताया कि साइकिल रैली गांधी प्रतिमा से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से निकलेगी। शुरुआत गांधी प्रतिमा से सुबह 8 बजे होगी। गांधी प्रतिमा से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भारत टॉकीज चौराहा शीतला माता मंदिर 8 वीं लाइन और सराफा बाजार होते हुए जयस्तंभ चौक पहुंचेगी। जयस्तंभ चौक से होते हुए रैली का समापन स्थानीय खेल मैदान पर किया जाएगा।

खिलाड़ी खेल प्रेमी और प्रबुद्ध जन होंगे शामिल

हॉकी मध्य प्रदेश के महासचिव लोक बहादुर द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के अनुसारए इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आम नागरिक को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है।

इस रैली में हॉकी खिलाड़ी विभिन्न खेलों के कोचए खेल अधिकारी, खेल प्रेमी और स्थानीय हॉकी कम्युनिटी के सदस्य बड़ी संख्या में अपनी साइकिलों के साथ शामिल होंगे। कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को भी विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है।हॉकी नर्मदापुरम के संरक्षक डॉ अतुल सेठा, अध्यक्ष राजेन्द्र तोमर, सचिव साजिद मलिक, कोषाध्यक्ष सर्वजीत सिंघ सैनी, कोच कन्हैया गुरयानी ने खेल प्रेमियों और जागरूक नागरिकों से अपील की है कि वे सुबह ठीक 8 बजे अपनी साइकिल के साथ गांधी प्रतिमा पर पहुंचकर इस स्वास्थ्यवर्धक अभियान का हिस्सा बनें और फिट इंडिया के संकल्प को मजबूत करें।

ग्राम पथौड़ी में जनसुनवाई शिकायत का हुआ निराकरण

सड़क पर पाइप क्रॉसिंग बनाकर पानी निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने की बनाई गई कार्ययोजना

नर्मदापुरम (निप्र)। जनपद पंचायत नर्मदापुरम अंतर्गत ग्राम पंचायत कुलामड़ी के ग्राम पथौड़ी में सड़क के समीप निवासरत ग्रामीणों द्वारा पानी निकासी की समस्या को लेकर जनसुनवाई में शिकायत दर्ज कराई गई थी। ग्रामीणों ने सड़क पर पाइप क्रॉसिंग निर्माण कर उचित जल निकासी व्यवस्था किए जाने की मांग की थी। उक्त शिकायत पर कलेक्टर नर्मदापुरम के निर्देशानुसार मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत नर्मदापुरम रंजीत ताराम को आवश्यक कार्यवाही एवं निराकरण हेतु निर्देशित किया गया। कलेक्टर के निर्देशों के पालन में सीईओ रंजीत ताराम के नेतृत्व में बीपीओ रेवाशंकर लोवंशी, एडीईओ टीनम विश्वकर्मा, उपयंत्री सुश्री प्रिया सूरमा, पटवारी देवेन्द्रम जाटव, सहायक मानचित्रकार मोहन बानिया एवं सचिव श्रीमती किरण चौरे द्वारा मौके पर पहुंचकर शिकायतकर्ता एवं अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति में समस्या का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण एवं चर्चा उपरांत सड़क पर पाइप क्रॉसिंग डालकर पानी निकासी की समुचित व्यवस्था किए जाने की रणनीति बनाई गई, जिस पर उपस्थित ग्रामीणों द्वारा सहमति व्यक्त की गई। सीईओ रंजीत ताराम ने संबंधित अधिकारियों को उक्त कार्य अतिशीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता एवं ग्रामीणों ने प्रशासन द्वारा किए गए निराकरण पर संतोष व्यक्त किया तथा पंचनामा तैयार कर शिकायत समाप्त किए जाने पर सहमति प्रदान की।

जगन्नाथ मंदिर में सत्यनारायण कथा यज्ञ जारी

अब तक 60 से अधिक कथाएं हुई,बड़ी संख्या में आ रहे श्रद्धालु

नर्मदापुरम (निप्र)। अखंड मंडलेश्वर धाम जगन्नाथ मंदिर डोंगरवाड़ा में पुरुषोत्तम माह के दौरान सत्यनारायण भगवान की कथा महोत्सव यज्ञ जारी है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा करने यहां पहुंच रहे हैं। पिछले 6 दिनों में 60 से आधी कथाएं हो चुकी हैं। इस संबंध में मंदिर के ठाकुर राजा डा आशुतोष कुमार शर्मा ने बताया कि प्रतिदिन सुबह 9 बजे सेए उसके बाद 11 बजे से और शाम को 4 बजे से कथाओं का आयोजन होता है। कथा करने से पूर्व श्रद्धालुओं को अपना पंजीयन करा लें तो किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होगी। कथा कराने वाले श्रद्धालुओं को पूजना सामग्री मंदिर समिति द्वारा ही उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि सनातन धर्म में पुरुषोत्तम माह का विशेष महत्व होता है। इस माह में किए गए दानए पुण्यए धार्मिक कार्यों का अनंत गुणा फल प्राप्त होता है। इसी बात को ध्यान में रखकर यह आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जो भी श्रद्धालु कथा का आयोजन करना चाहते हैं वे मंदिर समिति में 301ध् रुपये जमा करवा कर अपना पंजीयन कराकर दिन और समय निश्चित करा सकते हैं। उन्होंने बताया कि श्रद्धालु अपने घर से केवल भगवान का प्रसाद और चरणामृत बनाकर ही लाना होगा। उन्होंने अपील की है कि लोग अधिक से अधिक संख्या में आगे आकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

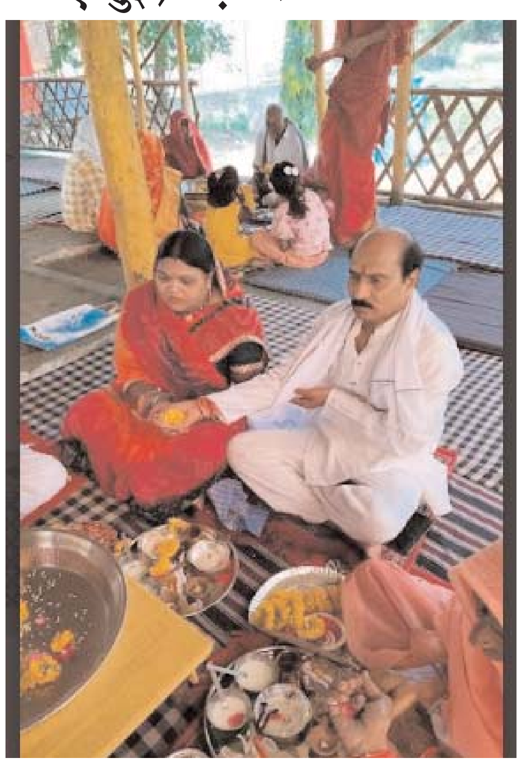

केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम में आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित

86 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाइयों का किया गया वितरण

नर्मदापुरम (निप्र)। शासकीय आयुष विभाग नर्मदापुरम द्वारा जेल में आयुर्वेदिक एवं होमियोपेथिक स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. ए.के. पुस्कर (आयुष एम.ओ), संतोष कुडापे (आयुर्वेद फार्मासिस्ट), एवं डॉ.शुभा दिक्षित (होमियोपेथिक एम.ओ), श्रीमती मंजू सतनकर (होमियोपेथिक कंपाउंडर) द्वारा इन बीमारियों का जेसे जोडो में दर्द, पेट संबंधी रोग, चर्म रोग, उदर रोग, बालों का झडना इत्यादि समस्याओ से ग्रसित पुरुष बंदी 65 महिला बंदी 20 कुल 86 बीमार बंदियों का उपचार एवं परीक्षण किया गया तथा दवाई वितरण किया गया। उक्त शिविर जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी के मार्गदर्शन में एवं डॉ रिया तरूआ (मेडिकल ऑफिसर) के संपर्क सूत्र द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। आयोजित शिविर के दौरान जेल अधीक्षकसंतोष सोलंकी उप-अधीक्षक प्रह्लाद सिंह बरकडे, सहायक-अधीक्षक जेल हितेश बांडिया, अष्टकोण अधिकारी अर्पित चौधरी, डॉ रिया तारूआ (मेडिकल ऑफिसर), श्रीमती इंदुराज भंडारी (मेलनर्स) एवं जेल स्टाफ उपस्थित रहे।

सबसे पहले सबसे दूर अभियान के तहत जनपद पंचायत माखननगर के ग्रामों में जनसुनवाई आयोजित

नर्मदापुरम(निप्र)। जनजातीय गरिमा उत्सव "धरती आबा" कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित "सबसे पहले सबसे दूर" अभियान के तहत जनपद पंचायत माखननगर अंतर्गत ग्राम महेंद्रवादी, डोलरियाखुर्द, सिंहपुर एवं नया मालिनी में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान जनपद पंचायत माखननगर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रंजीत ताराम द्वारा संबंधित ग्रामों का भ्रमण कर जनसुनवाई की व्यवस्थाओं एवं प्राप्त आवेदनों का विस्तृत अवलोकन किया गया। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीणों द्वारा पेंशन, शौचालय निर्माण स्वीकृति, सीमांकन आदेश, खाद्यान्न पर्ची, समग्र आईडी एवं जाति प्रमाण पत्र से संबंधित शिकायतें एवं मांगें प्रस्तुत की गईं। इन विषयों से संबंधित कई आवेदनों का पोर्टल पर निराकरण लंबित पाए जाने पर सीईओ रंजीत ताराम द्वारा अभियान के अंतर्गत त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर ही आवश्यक स्वीकृतियां जारी की गईं।

पांच से बढ़ा कर छह दिन का किया जाए सरकारी कामकाज

बहुत मिल चुकी छूट अब तो कार्यालय में हो तेजी से कार्य

जनसुनवाई और मुख्यमंत्री हेल्प लाइन में अधिक शिकायतें क्यों पहुंच रहीं?

नर्मदापुरम(निप्र)। राष्ट्रभारती जन हितेषी मंच ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि सरकारी कामकाज पांच दिनों का नहीं छह दिनों का किया जाए। मंच के केशव गौर, एके तिवारी, संतोष कुमरिया, वीरेंद्र रैकवार सहित अन्य अनेक लोगों ने मांग की है। इसके साथ ही अनेक संगठनों का कहना है कि वोट नीति से उबरकर अब जनहित में सप्ताह के कामकाज के दिन बढाएं जाने चाहिए। जिससे लोगो के रूके हुए कार्य पूरे हो सकें। वैसे भी कर्मचारी कम होने से लोगों के कामकाज धीमी गति से होते हैं। इसका उदाहारण जनसुनवाई और मुख्यमंत्री हेल्प लाइन की शिकायतों में देखा जाता है। लोगों के काम नहीं होने के कारण ही जनसुनवाई में लंबी लंगी लाइन लग रही है। यह सवाल लाजमी है कि पांच दिन का सप्ताह क्यों क्या वेतन कम किया गया है। या कर्मचारियों को छुट्टी देना आवश्यक है। अनेक कार्यालयों में शनिवार के साथ साथ रविवार को भी कार्यालयों में बुलाया जाता है। उनके साथ ऐसा अन्याय क्यों। मंच के पदाधिकारियों ने याद दिलाते हुए कहा कि जब कोराना का असर था तब कार्यालयों में 50 फीसदी कर्मचारियों को ही बुलाया जा रहा था। बांकी के अवकाश पर रहते थे। उसके बाद ज्यादा असर हुआ था तब लाकडाउन के कारण सभी कार्यालय कई दिनों तक बंद रहे अर्थात कर्मचारियों को भरपूर अवकाश मिला। अधिकांश कर्मचारियों को पूरी छूट दी गई है। शासन ने उन्हें वेतन भी पूरा दिया। अब जब सब ठीक ठाक है तो पांच दिन का सप्ताह क्यों? यह लोगो के साथ अन्याय है। कर्मचारी संगठनों को राष्ट्र समाज के हित में स्वयं मुख्यमंत्री व प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर पांच दिन नहीं छह दिन के कामकाज की मांग करनी चाहिए। जिससे लोगों के रूके हुए कार्य हो सकें। वैसे भी अनेक कर्मचारी इसका लाभ लेकर शुक्रवार का अवकाश लेकर सोमवार को आते हैं। इसकी जांच होनी चाहिए कि कितने कर्मचारियों ने शुक्रवार या सोमवार का अवकाश लिया है।

दो दिन टीएल और जनसुनवाई के

अधिकारियों के लिए सोमवार को टीएल बैठक और मंगलवार को जनसुनवाई में आधा दिन निकल जाता है। उसके बाद अधिकारी लंच के लिए घर चले जाते हैं। अधिकारियों को कहा जाए कि वे दोनों दिन लंच लेकर आएं जिससे कि कार्यालय में ही रह सकें। कई तो लंच के बाद लौटे तो लौटे नहीं तो घर ही में रहते हैं। ऐसे में फिर बुधवार गुरूवार व शुक्रवार सिर्फ तीन दिन ही कार्यालय में अधिकारी रहते हैं। यदि किसी अधिकारी ने शुक्रवार को और सोमवार को अवकाश के आवेदन कार्यालय में रख दिए तो फिर तो उसकी बल्ले-बल्ले रहती है। वोट नीति से उठकर जनहित भी देखा जाना चाहिए।

गांव गांव पहुंच रहा प्रशासन आपके द्वार अभियान

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किया जा रहा प्रभावी जनसंवाद

नर्मदापुरम(निप्र)। शुक्रवार को प्रभारी कलेक्टर हिमांशु जैन ने विकासखंड केसला की ग्राम पंचायत मलोथर पहुंचकर प्रशासन आपके द्वार अभियान के तहत ग्रामवासियों से संवाद किया। इस दौरान रात्रि चौपाल का आयोजन कर शासकीय योजनाओं की जानकारी से ग्रामवासियों को अवगत कराया गया। योजनाओं की जानकारी के साथ ही ग्रामवासियों की समस्याओं को भी सुना गया। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के निर्देश अनुसार शासकीय योजनाओं की नागरिकों तक बेहतर पहुंच और प्रशासन तथा नागरिकों के बीच किसी भी प्रकार के फासले को खत्म करना तथा मैदानी स्तर पर पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाना है। इसी क्रम में शुक्रवार को आयोजित रात्रि चौपाल के दौरान प्रभारी कलेक्टर श्री जैन ने ग्रामपंचायत मलोथर में आयोजित प्रशासन आपके द्वार शिविर में पहुंचकर ग्राम वासियों से परस्पर संवाद किया। उन्होंने शिविर में उपस्थित ग्राम वासियों को सम्मिलित करते हुए बताया कि प्रशासन आपके द्वारा अभियान जिला प्रशासन की पहल है जिसमें नर्मदापुरम कलेक्टर सोमेश मिश्रा के नेतृत्व में जनहितकारी योजनाओं से संबंधित विभागों के जिला अधिकारी मैदानी स्तर पर पहुंचकर नागरिकों से मिल रहे हैं तथा इस अभियान के माध्यम से निरंतर रूप से समय-समय पर शिविरों को आयोजित कर नागरिकों को उनकी समस्याओं का समाधान उपलब्ध कराया जाएग। रात्रि चौपाल के दौरान विभिन्न जिलाधिकारी द्वारा अपने-अपने संबंधित विभागों की जनहित कार्य योजनाओं से उपस्थित ग्राम वासियों को अवगत करवाया। जिसमें कृषि विभाग द्वारा श्री अन्न को बढ़ावा देने के लिए माइनर मिलर, पर ड्रॉप मोर क्रॉप, मृदा परीक्षण सहित अन्य जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ग्राम वासियों तथा कृषक भाइयों को दी गई। इसी प्रकार नल जल योजना के संबंध में ग्राम वासियों द्वारा मांग की गई की योजना का ग्राम पंचायत में शीघ्र क्रियान्वयन किया जाए जिससे ग्राम पंचायत के समस्त ग्रामों को घर-घर जल प्राप्त हो सके। प्रभारी कलेक्टर श्री जैन ने पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम पंचायत में शीघ्र ही योजना की क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस दौरान उन्होंने ग्राम वासियों से अपील की कि आसपास की जिन ग्राम पंचायतों में योजना को ग्राम पंचायत को हस्तांतरित किया जा चुका है वहां पर सभी कनेक्शन धारी ग्रामवासी जलकर आवश्यक रूप से भरे। उन्होंने कहा कि दिए गए जलकर से योजना को सुचारू रूप से संचालित किया जाता है जिसमें प्राप्त जलकर से रिपेयरिंग, बिजली बिल सहित अन्य रखरखाव का कार्य भी इसी जल करके माध्यम से किया जाता है। इसी प्रकार उन्होंने ग्राम वासियों द्वारा बताई गई पानी निकासी की समस्या का समाधान करते हुए पंचायत द्वारा पानी निकासी के संबंध में उचित कार्य योजना तैयार किए जाने तथा एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार उन्होंने आगामी तीर्थ दर्शन योजना के लिए पात्र ग्राम वासियों से अधिक आवेदन करवाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह निर्देश भी दिए कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण के लिए संचालित शासकीय योजनाओं के माध्यम से अधिक से अधिक दिव्यांगों को योजना का लाभ उपलब्ध करवाया जाए।

जिले में राजस्व न्यायालयों का हो रहा नियमित संचालन राजस्व मामलों के त्वरित निराकरण से आमजन को मिल रही राहत

नर्मदापुरम (निप्र)। सोमेश मिश्रा के निर्देशन में जिले में राजस्व न्यायालयों का नियमित एवं प्रभावी संचालन किया जा रहा है, जिससे आमजन को राजस्व मामलों में त्वरित राहत मिल रही है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा राजस्व प्रकरणों के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से न्यायिक एवं कार्यपालिक कार्यों को पृथक करते हुए पूर्णकालिक न्यायिक तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों की व्यवस्था लागू की गई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। अनुविभाग सोहागपुर अंतर्गत सभी राजस्व न्यायालय प्रतिदिन प्रात: 10 बजे से नियमित रूप से संचालित हो रहे हैं। अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) द्वारा न्यायालयों का सतत निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि न्यायालय निर्धारित समय पर संचालित हों तथा आमजन के प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण किया जाए। तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार न्यायालयों में नियमित सुनवाई कर विभिन्न राजस्व प्रकरणों का निराकरण कर रहे हैं। वहीं एसडीएम न्यायालय में वर्षों से लंबित अभिलेख दुरुस्ती प्रकरणों का भी प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जा रहा है।

एसडीएम सोहागपुर की अध्यक्षता में आगामी त्यौहारों के मद्देनजर शांति समिति बैठक आयोजित

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सोहागपुर सुश्री प्रियंका भलावी तथा थाना प्रभारी की अध्यक्षता में आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस प्रशासन, नगर परिषद, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक बंधुओं, पत्रकार बंधु एवं शांति समिति के सदस्यों की उपस्थिति रही। बैठक के दौरान आगामी त्योहारों के अवसर पर कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वच्छता व्यवस्था, विद्युत आपूर्ति एवं पेयजल व्यवस्था सहित विभिन्न आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही आपसी भाईचारा एवं साम्प्रदायिक सौहार्द बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया।प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा नागरिकों से त्योहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों एवं भ्रामक सूचनाओं से दूर रहने की अपील की गई। आयोजकों से निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल प्रशासन को सूचित करने का आग्रह किया गया। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com